संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 112 शनिवार 22 फरवरी 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

पूजा सिंघल की पोस्टिंग रोकने की ईडी की याचिका कोर्ट ने खारिज की

रांची,21 फरवरी 2025(ए)। मनी लॉन्ड्रिंग की आरोपी आईएएस पूजा सिंघल की किसी विभाग में पोस्टिंग पर रोक लगाने की मांग वाली ईडी की याचिका रांची के पीएमएलए कोर्ट ने खारिज कर दी है।

परीक्षा में नकल न करवाने पर 2 छात्रों को मारी गोली

एक की मौत,नेशनल हाईवे जाम

पटना,21 फरवरी 2025(ए)। बिहार के सासाराम में मैट्रिक परीक्षा के दौरान कोहराम मच गया। यहां बदमाशों ने दो छात्रों को गोली मार दी। इनमें से एक की मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। उधर, छात्र की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को रखकर कोलकाता-बनारस नेशनल हाईवे जाम कर दिया। बवाल इतना बढ़ गया कि विरोध कर रहे लोगों ने आगजनी कर दी। रिपोर्ट के अनुसार गोलीबारी के बाद दोनों घायल छात्रों को आनन-फानन में अस्पताल लाया गया। इलाज के दौरान एक छात्र ने दम तोड़ दिया, जबकि दूसरे का इलाज सासाराम सदर अस्पताल में जारी है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स को स्टेशन पर हुई भगदड़ की वीडियो हटाने को कहा

नईदिल्ली,21 फरवरी 2025(ए)। रेल मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन (एनडीएलएस) पर मची भगदड़ का वीडियो हटाने को कहा है।रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्रालय ने नैतिक मानदंडों और मंच की सामग्री नीति का हवाला देते हुए 17 फरवरी को नोटिस जारी किया है और 36 घंटे के भीतर कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। मंत्रालय के नोटिस में एक्स को भगदड़ के वीडियो वाले 285 सोशल मीडिया लिंक हटाने को कहा गया है।

स्कूल जाते समय 10 वीं की छात्रा को हार्ट अटैक

सड़क पर अचानक गिरी और मौत

हैदराबाद,21 फरवरी 2025(ए)। हार्ट अटैक के चलते युवाओं की मौत के मामले बड़ी संख्या में देखे जा रहे हैं। इस बीच तेलंगाना का एक केस चौंकाने वाला है। महज 16 साल की श्री निधि की हार्ट अटैक से मौत हो गई, जो 10वीं क्लास की छात्रा थी। श्री निधि को उस वक्त हार्ट अटैक आया, जब वह स्कूल जा रही थीं।

बैंककर्मी की गोली मारकर हुई हत्या

ग्रेटर नोएडा,21 फरवरी 2025(ए)। ग्रेटर नोएडा के इकोटेक-3 थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली हत्या की घटना सामने आई है, जहां बदमाशों ने बैंक में कार्यरत कर्मचारी मनजीत मिश्रा को गोली मार दी। घटना के बाद मनजीत मिश्रा की मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने इस हत्या का आरोप ससुराल पक्ष पर लगाया है, और पारिवारिक विवाद के चलते यह घटना घटित होने का संदेह जताया जा रहा है।

आतंकवाद को लेकर विदेश मंत्री के तेवर गर्म

- आतंकवाद को हल्के में मत लो...
- जयशंकर ने बांग्लादेश को लगाई लताड़...
- पाकिस्तान को भी दिखाया आईना...
- मस्कट में हुई थी दोनों लीडर्स की मुलाकात
- विदेश मामलों के सलाहकार हैं तौहीद हौसैन
- बयानबाजी के मुद्दे पर भी जताई गई नाराजगी

नई दिल्ली,21 फरवरी 2025(ए)। प्रोफेसर युनूस मोहम्मद की अगुवाई वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार जब से सत्ता में आई है, तब से सार्क संगठन के पक्ष में हवा बनाने में जुटी है। ऐसे में भारत ने बांग्लादेश को चेतावनी भरे लहजे में समझाने की कोशिश की है कि उसे आतंकवाद जैसे मुद्दे को सामान्य तौर पर नहीं लेना चाहिए।यह बात स्वयं विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बांग्लादेश सरकार में विदेश मामलों के सलाहकार (विदेश मंत्री के समकक्ष) तौहीद होसैन को कही। इसका खुलासा शुक्रवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने किया।

विदेश मंत्रालय ने दी जानकारी

इसके साथ ही विदेश मंत्रालय की तरफ से अंतरिम सरकार के कुछ सलाहकारों की तरफ से लगातार भारत के हितों के खिलाफ की जा रहे बयानबाजी के मुद्दे पर अभी नाराजगी जताई गई है और कहा है कि इससे द्विपक्षीय रिश्तों को सुधारने की कोशिशों को नुकसान पहुंचेगा।

जायसवाल ने कहा कि, जब विदेश मंत्री जयशंकर ने मस्कट (दोहा) में बांग्लादेश के तौहीद हौसैन से मुलाकात की थी, तब बांग्लादेश का मुद्दा उठा था। लेकिन हम सब जानते हैं कि सार्क संगठन किस देश की वजह से और किस तरह की गतिविधियों से सार्क की मौजूदा स्थिति के लिए जिम्मेदार है। विदेश मंत्री जयशंकर ने यह स्पष्ट कर दिया कि बांग्लादेश को आतंकवाद के मसले को सामान्य तौर पर नहीं लेना चाहिए।

पाकिस्तान के लिए उमड़ रहा प्रेम

सिर्फ सार्क के मुद्दे पर ही नहीं बल्कि दूसरे मुद्दों पर भी बांग्लादेश यह संकेत देने की कोशिश कर रहा है कि वह पाकिस्तान के साथ है। पूर्व पीएम शेख हसीना के कार्यकाल में आंतरिक सुरक्षा का हवाला देते हुए पाकिस्तान के जिन आयातों पर रोक लगा दी थी उसे खोल दिया गया है। पाकिस्तानी नागरिकों के लिए सुरक्षा मंजूरी लेने की बाध्यता खत्म कर दी गई है। जबकि जनवरी, 2025 में जब भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने ढाका की यात्रा की थी, तब यह साफ तौर पर बता दिया था कि भारत अपने इस पड़ोसी देश के सात बेहतर संबंध चाहता है।

2016 से स्थगित है सार्क की बैठक

उक्त बैठक के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया था कि इसमें द्विपक्षीय मुद्दों के साथ ही बिम्सटेक सम्मेलन को लेकर बात हुई थी। लेकिन बांग्लादेश की तरफ से बताया गया था कि सार्क संगठन की बैठक की शुरुआत करने पर बात हुई थी।

सनद रहे कि सार्क देशों की बैठक वर्ष 2016 से स्थगित है। तब भारत पर कई आतंकी हमलों में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों के हाथ होने का विरोध करते हुए सिर्फ भारत ने ही नहीं बल्कि अफगानिस्तान, बांग्लादेश समेत दूसरे सार्क सदस्यों ने दिसंबर, 2016 में इस्लामाबाद में होने वाली सार्क शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया था।

प्रोफेसर युनूस ने अगस्त, 2024 में सत्ता संभालने के कुछ ही दिनों बाद पाकिस्तान के पीएम शाहबाज शरीफ से टेलीफोन पर बात की थी।

महिला सुविधा को लेकर कर्नाटक सरकार सख्त

- अब बस में पुरुषों के लिए महिलाओं को छोड़नी होगी सीट
- इस राज्य की सरकार ने लिया बड़ा फैसला

हैदराबाद,21 फरवरी 2025 (ए)। कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम के मैसूर डिवीजन ने पुरुषों के लिए आरक्षित सीटों पर महिलाओं के बैठने को लेकर एक नया आदेश जारी किया है। बढ़ती महिला यात्रियों की संख्या और शक्ति योजना के तहत मुफ्त सफर के कारण पुरुष यात्रियों को सीट न मिलने की शिकायतें बढ़ गई थीं। अक्सर बसों और मेट्रो में महिलाओं के लिए आरक्षित सीटें उनके लिए छोड़ी जाती हैं, लेकिन पुरुषों की सीटों पर भी महिलाएं बैठ जाती हैं, जिससे पुरुष यात्रियों को सीट नहीं मिलती। शक्ति योजना के तहत महिलाओं की संख्या बसों में बढ़ने के कारण यह समस्या और गंभीर हो गई।

नए आदेश में क्या कहा गया?

मैसूर डिवीजनल कंट्रोलर ने सभी ड्राइवरों और कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि पुरुष यात्रियों के लिए आरक्षित सीटें केवल पुरुषों को ही मिलें। शिकायतों के बाद यह निर्णय लिया गया है कि ड्राइविंग स्टाफ सुनिश्चित करेगा कि पुरुषों के लिए निर्धारित सीटों पर पुरुष यात्री ही बैठें।

दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना को मिली हरी झंडी

महिला सम्मान योजना पर फिलहाल देरी

नई दिल्ली,21 फरवरी 2025 (ए)। दिल्ली में नई सरकार के गठन के बाद पहली कैबिनेट बैठक में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने का फैसला लिया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनके मंत्रिमंडल ने इस ऐतिहासिक निर्णय पर मुहर लगाई। साथ ही, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की 14 रिपोर्ट्स आगामी विधानसभा सत्र में पेश करने की योजना बनाई गई।

बस और ट्रक की भीषण टक्कर में 7 लोगों की मौत

कच्छ,21 फरवरी 2025 (ए)। गुजरात के कच्छ में भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां एक निजी बस और ट्रक की टक्कर हो गई, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई. बताया जा रहा है कि बस में 40 यात्री सवार थे। बताया जा रहा है कि हादसा कच्छ के केरा मुंद्रा रोड पर हुआ। हादसे के बाद बस में सवार 40 लोगों में से 7 की मौके पर ही मौत हो गई. हादसे के बाद घटनास्थल की तस्वीरें सामने आई हैं, जिसमें लोगों के शव सड़क पर बिखरे नजर आ रहे हैं। वहीं, घायल यात्री बीच सड़क पर ही कराह रहे हैं। टक्कर की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हदासे के बाद बस पूरी तरह से कबाड़ में तब्दील हो गई है। हादसे की भयावहता को देखते हुए कहा जा रहा है कि मृतकों का आंकड़ा बढ़ भी सकता है। हादसे में घायल लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

कुख्यात लेडी डॉन गिरफ्तार

तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर की है पत्नी

नई दिल्ली,21 फरवरी 2025 (ए)। दिल्ली पुलिस ने लेडी डॉन को 1 करोड़ रुपए की हेरोइन समेत गिरफ्तार किया है। लेडी डॉन का नाम कुख्यात जोया खान है और उसका पति गैंगस्टर हाशिम बाबा है। जोया खान अपने पति के अवैध धंधो को संभाल रही थी। वह गैंग से जुड़े सभी बड़े फैसले खुद लेती थी। बता दें कि जोया खान गैंगस्टर हाशिम बाबा की तीसरी पत्नी है। बाबा अभी तिहाड़ जेल में बंद है। जिस पर जबरन वसूली, हत्या और आर्म्स एक्ट के तहत कई केस दर्ज हैं।

24 फरवरी से विशेष विधानसभा सत्र

कैग रिपोर्ट होगी पेश

नई दिल्ली,21 फरवरी 2025 (ए)। दिल्ली की नवगठित भाजपा सरकार ने 24 फरवरी से तीन दिन का विशेष विधानसभा सत्र बुलाया है। इस सत्र में सभी नवनिर्वाचित विधायक शपथ लेंगे, जबकि पांच साल से लंबित कैग की 14 रिपोर्ट भी पेश की जाएगी। कथित शराब घोटाले पर भी रिपोर्ट पटल पर रखी जाएगी।

मोदी सरकार देगी 5 लाख रुपए लिमिट वाला क्रेडिट कार्ड

नई दिल्ली,21 फरवरी 2025 (ए)। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने छोटे कारोबार को बढ़ावा देने के लिए पिछले 10 साल में कई तरह की योजनाएं शुरू की हैं। इसके तहत आप ना सिर्फ स्किल डेवलपमेंट के लिए सरकार से मदद ले सकते हैं बल्कि लोन के लिए भी मुद्रा जैसी योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। इस बार के आम बजट में सरकार ने क्रेडिट कार्ड लॉन्च करने का भी ऐलान किया है।

पत्नी के साथ खुलेआम रोमांस करते पुलिसकर्मी का वीडियो वायरल

वर्दी पहनकर खाकी को किया शर्मसार

कासगंज,21 फरवरी 2025 (ए)। सोशल मीडिया पर कब क्या वायरल हो जाए ये कहा नहीं जा सकता है। लेकिन कई बार इसी वायरल वीडियो ने लोगों की पोल खोलकर रख दी है। पोल खोलकर रख देने वाला ऐसा ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में नशे में धुत पुलिसकर्मी बीच सड़क पर ही पत्नी के साथ रोमांस करते हुए नजर आ रहा है। वायरल वीडियो ने शराबी पुलिसकर्मी की पोल खोलकर रख दी है। वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद विभाग ने संज्ञान लेते हुए पुलिसकर्मी पर कार्रवाई की बात कही है।सामने आए वीडियो में आप देख सकते हैं कि पुलिसकर्मी यात्री प्रतिक्षालय में बैठा हुआ है, साथ में उनकी पत्नी भी मौजूद है। अचानक पुलिसकर्मी अपनी पत्नी को गले लगाने लगता है और किस करने लगता है। वहीं, इस दौरान उसकी टोपी जमीन पर पड़ी थी। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। वहीं, वीडियो सामने आते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आया और एसपी कासगंज अंकिता शर्मा ने आरोपी दारोगा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इस मामले पर एएसपी जेश भारती ने बताया कि यह घटना एसपी ऑफिस से कुछ ही दूरी पर हुई, जहां एक पुलिस दारोगा नशे में धुत होकर सड़क पर महिला के साथ अनुचित व्यवहार कर रहा था। वीडियो में उसकी टोपी जमीन पर पड़ी थी और वह खुलेआम नशे में धुत होकर पुलिस की साख पर सवाल खड़ा कर रहा था।

एडवोकेट अमेंडमेंट बिल के खिलाफ तेज हुआ वकीलों का प्रदर्शन

दिल्ली के अलग-अलग कोर्ट में हड़ताल जारी

नई दिल्ली,21 फरवरी 2025(ए)। एडवोकेट अमेंडमेंट बिल 2025 के विरोध में दिल्ली के सभी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में सोमवार से काम काज ठप है। पूर्वी दिल्ली के कड़कडडूमा कोर्ट में वकीलों ने शुक्रवार सुबह परिसर में इकट्ठा होकर एडवोकेट अमेंडमेंट बिल 2025 का विरोध जताया। इस दौरान वकीलों ने अमेंडमेंट बिल 2025 का पुतला जलाकर जमकर नारेबाजी की.

जानकारी के मुताबिक तीस हजारी और रोहिणी कोर्ट के वकीलों ने अपनी नाराजगी जताने के लिए प्रदर्शन किया। वकीलों ने बताया कि एडवोकेट एक्ट में अमेंडमेंट कर कुछ एक्ट को चेंज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 35ए को चेंज किया जा रहा है, जिसमें किसी भी तरीके के हड़ताल या काम बंद करने पर रोक लगाई जा रही है। जो भी ऐसा करेगा उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अमेंडमेंट में यह भी प्रावधान है कि केंद्र सरकार बार काउंसिल ऑफ इंडिया को कोई भी डायरेक्शन दे सकता है, जिसे मानना बार काउंसिल ऑफ इंडिया को जरूरी होगा. इसका मतलब साफ है वकील सरकार के अधीन होकर चलेंगे। वकील किसी सरकार के कर्मचारी नहीं है, यह एक आजाद पेशा है।

भगवान भी आ जाएं तो... डीके शिवकुमार के इस बयान पर मचा बवाल

बैंगलुरू,21 फरवरी 2025 (ए)। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार अपने विवादित बयान को लेकर

आलोचनाओं के घेरे में आ गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर भगवान भी आ जाएं, तो बेंगलुरु को नहीं बदल सकते। उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर बवाल खड़ा कर दिया है, जहां लोग कांग्रेस सरकार को ट्रैफिक जाम, बुनियादी ढांचे की खस्ताहाल स्थिति और लंबित प्रोजेक्ट्स को लेकर आड़े हाथों ले रहे हैं।

संपादकीय

कांग्रेस संगठन में बदलाव होना जरूरी

देश की सबसे पुरानी पार्टी में ताजा बदलाव हवा के ताजा झोंके की तरह है। कांग्रेस ने अपने संगठनात्मक बदलाव शुरू कर दिए हैं। 3 दिन पहले पार्टी ने 2 राज्यों के महासचिव और 9 के लिए प्रभारियों नियुक्त की है। खास बात है कि इस फैसले पर राहुल गांधी की छाप खास नजर आ रही है। बानगी के तौर पर युवाओं को मौका देने के साथ ही ओबीसी और अल्पसंख्यक समाज के नेताओं को भी तरजीह दी गई है। दरअसल,कांग्रेस फिलवक्त अपने सबसे चुनौतीपूर्ण और मुश्किल दौर में है। जब से पार्टी ने केंद्र की सत्ता गंवाई है उसके बाद से ही उसे खुद को साबित करने के लिए जूझना पड़ रहा है। कई अजीज और पार्टी की वर्षो से खिदमत करने वाले निष्ठुरता के साथ हाथ' को झटकते हुए धुर विरोधी सोच वाली पार्टी के खेवनहार बन गए।गौर करने वाली यह है कि किसी भी पार्टी के लिए सत्ता गंवाना उतना कष्टप्रद नहीं रहता जितना वफादार कार्यकर्ताओं का साथ छोड़ जाना। बहरहाल, कांग्रेस ने अनुभवी और परखे हुए नेताओं को जिम्मेदारी देने के साथ-साथ युवा चेहरों को खास तवज्जो दी है। साथ ही राहुल गांधी ने सामाजिक न्याय के एजेंडे को धार देने के लिए कांग्रेस के संगठन में भी सामाजिक न्याय की कवायद शुरू कर दी है।राहुल 2024 में संपन्न लोक सभा चुनाव के समय से ही सामाजिक न्याय की वकालत और इसे धार देने की कोशिश में जी-जान से जुड़े दिखते हैं। खासकर जाति जनगणना की मांग और पिछड़ों व दलितों की हिस्सेदारी को लेकर वो काफी मुखर रहे हैं। संगठन में बदलाव भी उनकी इसी सोच को परिलक्षित करता दिखता है। पार्टी संगठन में जिन 11 लोगों की नियुक्त हुई है,उसमें चार ओबीसी, दो दलित,एक आदिवासी और एक अल्पसंख्यक समाज से हैं, तीन सवर्ण वर्ग से हैं, जिनमें रजनी पाटिल,मीनाक्षी नटराजन और कृष्ण अल्लावरु हैं। साफ है कि राहुल अपनी सामाजिक न्याय की लड़ाई को विस्तार देने की जुगत में संजीदगी से लगे हैं। यह सब इस मायने में सही माना जाएगा कि नेता जो कहता है, उसे करता भी है। अभी तक कांग्रेस की राजनीति सवर्ण, दलित और अल्पसंख्यक समाज पर केंद्रित थी, जिसे भाजपा ने बेहद सफाई से अपने पाले में कर दिया। संगठन में बदलाव के बहाने अगर पार्टी के आत्मविश्वास में इजाफा होगा तो यह आने वाले दिनों में निःसंदेह सुकूनपरक होगा।

क्या जघन्य अपराधियों की न सुनी जाये पैरोल की अर्जी ?

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

कैदियों की समय से पहले रिहाई से समाज को ख़तरा हो सकता है, खासकर तब जब वे बार-बार अपराध करते हों। हाल के वर्षों में, इस विचार में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव आया है क्योंकि अमीर और शक्तिशाली वर्ग ने जेल में समय बिताने से बचने के लिए पैरोल का उपयोग करना शुरू कर दिया है। दूसरी ओर लाखों अन्य कैदी, जिनके पैरोल के अनुरोधों को अनदेखा किया जाता है, उनके पास प्रक्रिया का लाभ उठाने के लिए संसाधनों की कमी होती है, या उन्हें कमजोर आधारों के आधार पर ग़लत तरीके से लाभ से वंचित किया जाता है क्योंकि वे गरीब और शक्तिहीन हैं। पैरोल सुधार और पुनः एकीकरण पर आधारित है, लेकिन जब इसका उपयोग गंभीर अपराधों के लिए किया जाता है, तो यह नैतिक और कानूनी दुविधाएँ पैदा करता है। मानवाधिकारों और पुनर्वास के सिद्धांतों को ध्यान में रखा जाना चाहिए, भले ही न्याय दंड और रोकथाम की मांग करता हो। आपराधिक न्याय प्रणाली में एक महत्त्वपूर्ण क़दम पैरोल है। यह कैदियों को समाज में पुनः एकीकृत करने में सहायता करने के लिए दिया जाने वाला एक प्रकार का विचार है। यह कैदी की सामाजिक पुनर्प्राप्ति के लिए एक उपकरण से अधिक कुछ नहीं है। हालाँकि, हाल के वर्षों में, इस विचार में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव आया है क्योंकि अमीर और शक्तिशाली वर्ग ने जेल में समय बिताने से बचने के लिए पैरोल का उपयोग करना शुरू कर दिया है। दूसरी ओर, लाखों अन्य कैदी, जिनके पैरोल के अनुरोधों को अनदेखा किया जाता है, उनके पास प्रक्रिया का लाभ उठाने के लिए संसाधनों की कमी होती है, या उन्हें कमजोर आधारों के आधार पर ग़लत तरीके से लाभ से वंचित किया जाता है क्योंकि वे गरीब और शक्तिहीन हैं। चूँकि हमारी जेलें अहिंसक अपराधियों से सचमुच भरी हुई हैं, इसलिए पैरोल से जेल में बंद लोगों को अपने प्रियजनों के साथ अपनी सजा के बचे हुए हिस्से को पूरा करने का मौका मिलता है, जबकि कानून प्रवर्तन एजेंसियों की उन पर कड़ी नज़र रहती है। यह हर दिन लाखों रुपयों की टैक्स बचत करता है और पूरे समाज के लिए एक बेहतरीन व्यवस्था है। बहुत कम बार आप किसी हिंसक अपराधी के बारे में सुनते हैं जो पैरोल पर रिहा हुआ और फिर एक और हिंसक अपराध करने लगा।

ज़्यादातर हिंसक अपराधी किसी भी मामले में अपनी सजा का कम से कम 85त्न हिस्सा पूरा करते हैं। लेकिन इसमें कोई दोराय नहीं है कि पैरोल से पीड़ितों और उनके परिवारों की न्याय की भावना कमज़ोर हो सकती है। आतंकवाद,बलात्कार और हत्या जैसे जघन्य अपराधों के खिलाफ़ मज़बूत रोकथाम होनी चाहिए। रोकथाम बनाए रखने के लिए, 2012 के निर्भया मामले के दोषियों को पैरोल नहीं दी गई।

कैदियों की समय से पहले रिहाई से समाज को ख़तरा हो सकता है, खासकर तब जब वे बार-बार अपराध करते हों। बार-बार अपराध करने के कारण, 2013 के शक्ति मिल्स सामूहिक बलात्कार मामले के दोषियों को पैरोल नहीं दी गई। राजनीतिक प्रभाव से न्याय में विश्वास को नुक़सान हो सकता है जिसके परिणामस्वरूप पैरोल की मंजूरी मिलती है जो वारंटेड नहीं होती है। टी. पी. चंद्रशेखरन हत्या मामले में पैरोल कथित तौर पर राजनीतिक दबाव के कारण दी गई थी। इन अपराधों में शामिल क्रूरता और पूर्व-योजना के कारण, सुधार चुनौतीपूर्ण है। 2018 के कठुआ बलात्कार मामले ने स्पष्ट कर दिया कि दया से रहित कठोर दंड की आवश्यकता है। भारतीय न्यायालयों के अनुसार, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत पैरोल पर रिहा किए गए लोगों को संतानोत्पत्ति और विवाह के अपने अधिकारों का प्रयोग करने की अनुमति है। हालाँकि, चूँकि विवाह के अधिकार को कानून द्वारा मान्यता नहीं दी गई है, इसलिए इस आधार पर पैरोल देने से समलैंगिक कैदियों के समानता के अधिकार से समझौता होता है।

सभी कैदियों के लिए समानता और समावेशिता की गारंटी देने के लिए, न्यायालय अनुच्छेद 21 के तहत अंतरंगता के अधिक सामान्य अधिकार से पैरोल को जोड़ सकते हैं। नेल्सन मंडेला नियम (2015) , कैदियों के उपचार के लिए संयुक्त राष्ट्र मानक न्यूनतम नियम, का एक प्रमुख घटक सुधार है। पैरोल एक अधिकार है, न कि विशेषाधिकार, जैसा कि न्यायमूर्ति कृष्ण अय्यर ने कई फैसलों में ज़ोर दिया है। सामान्य प्रतिबंध होने के बजाय, व्यवहार मूल्यांकन के आधार पर पैरोल दी जानी चाहिए। आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदियों के पुनर्वास के परिणामस्वरूप 2023 में महाराष्ट्र में पुनरावृत्ति में कमी आई। पैरोल अनुरोधों का मूल्यांकन न्यायालयों द्वारा पहले से ही योग्यता के आधार पर किया जाता है, जिससे सुरक्षा और न्याय की गारंटी मिलती है। हरियाणा राज्य बनाम जय सिंह (2003) में, सर्वोच्च न्यायालय ने पुष्टि की कि पैरोल निष्पक्ष मानकों के अनुसार दी जानी चाहिए। अनुच्छेद 21 (सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार) का उल्लंघन पैरोल की संभावना के बिना जेल में आजीवन कारावास द्वारा किया जा सकता है, यदि सुधार प्रदर्शित किया जाता है। श्रीहरन (2015) के अनुसार, किसी को पैरोल से पूरी तरह से वंचित करना असंवैधानिक है। नॉर्वे जैसे देशों में धीरे-धीरे पुनः एकीकरण पर ज़ोर देकर, यहाँ तक कि जघन्य अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए लोगों के लिए भी पुनः अपराध दर कम हो गई है। पुनर्वास न्याय के अपने मॉडल की बदौलत नॉर्वे में दुनिया में पुनरावृत्ति की सबसे कम दरें हैं।

जैसा कि आमतौर पर जाना जाता है, मज़बूत प्रशासनिक और राजनीतिक दबाव से पैरोल प्रशासन की प्रभावशीलता बाधित हुई है। कार्यक्रम के लक्ष्य से नियमित रूप से समझौता किया जाता है और कई अनुचित अपराधियों को प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में पैरोल दी जाती है। पैरोल के सम्बंध में, एक अच्छी तरह से परिभाषित न्यायिक नीति आवश्यक है और किए गए कार्यकारी कर्तव्यों की अदालतों द्वारा समीक्षा की जानी चाहिए। हमारे कानून निर्माताओं के लिए हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार के लिए आवश्यक बदलाव करने का समय आ गया है। इन बदलावों में कैदियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रगतिशील तरीके से पर्यवेक्षित रिहाई प्रणाली को लागू करने के लिए मज़बूत दिशा-निर्देश बनाना, लगातार पैरोल कानून बनाकर यह साबित करना कि यह पुनर्वास के लिए एक प्रभावी उपकरण है और भारत में पैरोल के दुरुपयोग को रोकने के लिए जाँच और संतुलन स्थापित करना शामिल होना चाहिए। सरकार को जेलों में भीड़भाड़ के बारे में चिंतित होना चाहिए और उन्हें तुरंत इस पर ग़ौर करना चाहिए। भयानक अपराधों के लिए पैरोल को सीमित करते समय न्याय, निवारण और पुनर्वास सभी पर विचार किया जाना चाहिए। सख्त न्यायिक निगरानी के साथ पारदर्शी, योग्यता-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करके व्यापक प्रतिबंधों के बिना सार्वजनिक सुरक्षा और नैतिक निष्पक्षता की गारंटी दी जा सकती है। पैरोल एक ऐसी चीज है जिसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती, जैसा कि स्पष्ट है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

परमाणु बम के जनकःजे रॉबर्ट ओपेनहाइमर

संजय गोस्वामी
मुंबई,महाराष्ट्र

जे रॉबर्ट ओपेनहाइमर का जन्म 22 अप्रैल, 1904, न्यूयॉर्क, में हुआ एक अमेरिकी भौतिक विज्ञानी थे, जिन्हें परमाणु के विकास के दौरान लॉस एलामोस प्रयोगशाला (1943-45) के निदेशक और परमाणु संस्थान के निदेशक के रूप में जाना जाता है। 1925 में स्नातक होने के बाद, वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के कैवेंडिश प्रयोगशाला में अनुसंधान करने के लिए इंग्लैंड चले गए, जिसने सर अर्नेस्ट रदरफोर्ड के नेतृत्व में परमाणु संरचना के अग्रणी अध्ययन के लिए दुनिया भर में ख्याति प्राप्त की। कैवेंडिश में, ओपेनहाइमर को परमाणु अनुसंधान को आगे बढ़ाने के प्रयासों में ब्रिटिश वैज्ञानिक समुदाय के साथ सहयोग करने का अवसर मिला।मैक्स बोर्न ने ओपेनहाइमर को गौटिंगेन विश्वविद्यालय में आमंत्रित किया, जहां उनकी मुलाकात अन्य प्रमुख भौतिकविदों,जैसे नील्स बोहर और पी.ए.एम. डिराक के साथ वहां अध्ययन किया और यहीं से 1927 में उन्होंने डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। लीडेन और ज्यूरिख में वैज्ञानिक संस्थानों की संक्षिप्त यात्रा के बाद, वे बर्कले में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय और कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान में भौतिकी पढ़ाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका लौट आये।नागरिक अधिकार नेता रेवरेंड मार्टिन लूथर किंग, जूनियर। 17 मई 1967 को कैलिफोर्निया के बर्कले में यूसी बर्कले के स्प्राउल प्लाजा में लगभग 7,000 लोगों की भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने भाषण दिया।1920 के दशक में क्वांटम और सापेक्षता के नए सिद्धांतों ने वैज्ञानिकों का ध्यान आकर्षित किया। द्रव्यमान ऊर्जा के बराबर था और पदार्थ तरंगों और कणिका प्रभावों दोनों के रूप में मौजूद हो सकता था, जो उस समय केवल अस्पष्ट रूप से दिखाई देते थे। ओपेनहाइमर का प्रारंभिक अनुसंधान मुख्यतः इलेक्ट्रॉन, पॉजिट्रॉन और कॉस्मिक किरणों सहित उप-परमाणु कणों की ऊर्जावान प्रक्रियाओं पर केंद्रित था। उन्होंने न्यूट्रॉन तारों और ब्लैक होल पर भी महत्वपूर्ण कार्य किया। चूंकि क्वांटम सिद्धांत कुछ वर्ष पहले ही प्रस्तावित किया जा चुका था, इसलिए विश्वविद्यालय की नौकरी ने उन्हें अपने पूरे करियर को इसके पूर्ण महत्व की खोज और विकास के लिए समर्पित करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया। इसके अलावा, उन्होंने अमेरिकी भौतिकविदों की एक पूरी पीढ़ी को प्रशिक्षित किया, जो उनके नेतृत्व गुणों और बौद्धिक स्वतंत्रता से काफी प्रभावित थे।जर्मनी में एडोल्फ हिटलर के सत्ता में आने से राजनीति में उनकी रुचि जागृत हुई। 1936 में स्पेनिश गृहयुद्ध के दौरान उन्होंने रिपब्लिकन का पक्ष लिया, जहां उनकी मुलाकात कम्युनिस्ट छात्रों से हुई। यद्यपि 1937 में उनके पिता की मृत्यु के बाद ओपेनहाइमर के पास इतनी संपत्ति बची कि वे फासीवाद-विरोधी संगठनों का समर्थन कर सके, लेकिन जोसेफ स्टालिन द्वारा रूसी वैज्ञानिकों को दी गई दुखद पीड़ा ने उन्हें कम्युनिस्ट पार्टी से अपना संबंध त्यागने के लिए प्रेरित किया - वास्तव में, वे कभी भी पार्टी में शामिल नहीं हुए - और साथ ही साथ उनके अंदर उदार लोकतंत्र का दर्शन भी मजबूत हुआ। 1939 में, ओपेनहाइमर ने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स में वनस्पति विज्ञान की स्नातक छात्रा कैथरीन पुएनिंग के साथ डेटिंग शुरू की। पुएनिंग ने अपने पति को तलाक दे दिया और 1940 में ओपेनहाइमर से विवाह कर लिया।जे. रॉबर्ट ओपेनहाइमर 1939 में नाजी जर्मनी द्वारा पोलैंड पर आक्रमण के बाद, भौतिकविदों अल्बर्ट आइंस्टीन, लियो सिज़लार्ड और यूजीन विग्नर ने

अमेरिकी सरकार को चेतावनी दी थी कि यदि नाजी परमाणु बम बनाने वाले पहले देश बन गए तो इससे पूरी मानवता को खतरा हो सकता है। इसके बाद ओपेनहाइमर ने प्राकृतिक यूरेनियम से यूरेनियम-235 को अलग करने की प्रक्रिया की खोज शुरू की तथा ऐसा बम बनाने के लिए आवश्यक यूरेनियम के महत्वपूर्ण द्रव्यमान का निर्धारण किया। अगस्त 1942 में अमेरिकी सेना भौतिकविदों के प्रयासों को संगठित करने का कार्य दिया गया था ब्रिटेन और अमेरिका सैन्य उद्देश्यों के लिए परमाणु ऊर्जा का उपयोग करने का तरीका खोजने के लिए, इस प्रयास को मैनहट्टन परियोजना के नाम से जाना जाता है। ओपेनहाइमर को इस कार्य को पूरा करने के लिए एक प्रयोगशाला स्थापित करने और उसका प्रबंधन करने का आदेश दिया गया। 1947 में बेईमानी के आरोपों के कारण संघीय जांच शुरू हुई, जिसके परिणामस्वरूप उनकी सुरक्षा मंजूरी समाप्त हो गई तथा वरिष्ठ अमेरिकी सरकारी अधिकारियों के सलाहकार के रूप में उनका पद भी छीन लिया गया। यह मामला वैज्ञानिक जगत में एक चर्चित मामला बन गया, क्योंकि इसका प्रभाव सरकार में वैज्ञानिकों की भूमिका से संबंधित राजनीतिक और नैतिक मुद्दों पर पड़ा।ओपेनहाइमर एक जर्मन आप्रवासी के पुत्र थे, जिन्होंने न्यूयॉर्क शहर में कपड़ा आयात करके अपना भाग्य बनाया था। हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अपने स्नातक अध्ययन के दौरान, ओपेनहाइमर ने लैटिन, ग्रीक, भौतिकी और रसायन विज्ञान में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया,कविता प्रकाशित की और पूर्वी दर्शन का अध्ययन किया। 1943 में उन्होंने न्यू मैक्सिको के सांता फ़े के पास लॉस एलामोस को चुना।अस्पष्ट कारणों से, 1942 में ओपेनहाइमर ने सैन्य सुरक्षा एजेंटों के साथ विचार-विमर्श शुरू किया, जिससे यह निष्कर्ष निकला कि उनके कुछ मित्र और परिचित सोवियत सरकार के एजेंट थे। इसके परिणामस्वरूप उनके पेशेवर मित्र को कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से निष्कासित कर दिया गया। 1954 में एक सुरक्षा सुनवाई में उन्होंने उन वार्ताओं में अपने योगदान को झूठ का ढेर बताया।लॉस एलामोस के प्रमुख वैज्ञानिकों के संयुक्त प्रयास की परिणति 16 जुलाई 1945 को जर्मनी के आत्मसमर्पण के बाद न्यू मैक्सिको के एलामगोर्डो के निकट ट्रिनिटी स्थल पर हुए प्रथम परमाणु विस्फोट के रूप में हुई। उसी वर्ष अक्टूबर में ओपेनहाइमर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। 1947 में वे उन्नत अध्ययन संस्थान के प्रमुख बने और 1947 से 1952 तक परमाणु ऊर्जा आयोग की सामान्य सलाहकार समिति के अध्यक्ष रहे, जिसने अक्टूबर 1949 में हाइड्रोजन बम के विकास का विरोध किया था।21 दिसम्बर 1953 को उन्हें एक सैन्य सुरक्षा रिपोर्ट के बारे में बताया गया जो उनके प्रतिकूल थी और उन पर कम्युनिस्टों के साथ पहले से ही सम्पर्क रखने, सोवियत राजनयिकों के नाम उजागर करने में देरी करने तथा हाइड्रोजन बम के विकास का विरोध करने का आरोप लगाया गया था। अगले वर्ष, सुरक्षा दल ने उन्हें राजद्रोह का दोषी नहीं पाया, लेकिन यह निर्णय दिया कि उन्हें सैन्य रहस्यों तक पहुंच नहीं दी जानी चाहिए। परिणामस्वरूप, अमेरिकी सलाहकार के रूप में उनका अनुबंध समाप्त कर दिया गया। परमाणु ऊर्जा आयोग को रद्द कर दिया गया। अमेरिकी वैज्ञानिकों के संघ ने तुरंत ही मुकदमे का विरोध करके उनका बचाव किया। ओपेनहाइमर एक ऐसे वैज्ञानिक के रूप में वैश्विक प्रतीक बन गए, जो वैज्ञानिक खोजों से उत्पन्न नैतिक दुविधाओं को सुलझाने का प्रयास करते समय, खोजी अभियान का लक्ष्य बन गए। उन्होंने अपने जीवन के अंतिम वर्ष विज्ञान और समाज के बीच संबंधों के बारे में विचार तैयार करने में बिताए। 1963 में, अमेरिकी राष्ट्रपति लिंडन बी. जॉनसन ने ओपेनहाइमर को परमाणु ऊर्जा आयोग का एनरिको फर्मी पुरस्कार प्रदान किया। ओपेनहाइमर 1966 में उन्नत अध्ययन संस्थान से सेवानिवृत्त हुए और अगले वर्ष गले के कैंसर से उनकी मृत्यु हो गयी। 2014 में ओपेनहाइमर के करियर को सफलतापूर्वक समाप्त करने वाले मुकदमे के 60 साल बाद, अमेरिकी ऊर्जा विभाग ने यद्यपि कई विवरण पहले से ही ज्ञात थे, लेकिन हाल ही में जारी की गई सामग्री ने ओपेनहाइमर की ईमानदारी के दावे को मजबूत किया और इस विचार को पुष्ट किया कि इस प्रतिभाशाली वैज्ञानिक को व्यावसायिक ईर्ष्या और मैकार्थीवाद के संयोजन द्वारा नीचे लाया गया था। 2022 में, ऊर्जा सचिव जेनिफर ग्रानहोम ने कहा कि ÷त्रुटिपूर्ण प्रक्रिया÷ के ÷पक्षपात और अनुचितता÷ के कारण उन्हें परमाणु संयंत्र से निष्कासित किया गया। परमाणु बम के विकास में ओपेनहाइमर की भूमिका और 1954 की सुरक्षा ब्रीफिंग तक की घटनाओं का पता लगा। उसकी मृत्यु - मृत्यु 18 फ़रवरी, 1967 को न्यूयॉर्क, यू.एस., प्रिंसटन, न्यू जर्सी में हो गई लेकिन परमाणु बम में उनकी जिम्मेदारी आज जगजाहिर है।

कविता
दिखावा करते हैं...

घटती-घटना

शामलाल कौशल
रोहतक,हरियाणा

बहुत बार हम खुश तो नहीं होते
लेकिन फिर भी खुश होने का
कोई ना कोई दिखावा करते हैं!
विवाह शादियों पर लाखों रुपया
खर्च करके खुशी का दिखावा
करते हैं परंतु खुश नहीं होते!
दिवाली और तीज त्योहार पर
हम इतना पैसा खर्च करते हैं
क्या वह सचमुच खुशी देता है।
घर में मेहमान के आने पर
हम मुस्कुरा कर स्वागत करते हैं
क्या हम दिल से खुश होते हैं।
परिवार का मुखिया परिवार के
लिए जो सुविधाएं जुटाता है
क्या सब लोग खुश हो जाते हैं।
उम्रदराज लोग बाल डाई करते हैं
क्या वह ऐसा करके असर जिंदगी में
सचमुच जवान बन जाते हैं क्या।
टूटे-फूटे मकान को जब हम रंग
रोगन और वाइट वॉश कराते हैं
क्या वह सचमुच नया बन जाता है।
हम सब लोग बहुत चीजों का
दिखावा करके खुद भी बेवकूफ बन
रहे हैं और औरों को भी बेवकूफ बना रहे हैं।

कविता
सब्र तेरा है वरदान

घटती-घटना

उदयकिशोर शाह
जयपुर, बांका
बिहार

कितना लेगा तुम हमारा इम्लहान
सब्र भी तेरा हमें मिला है वरदान
ठोकर खाकर धरा पे हर मानव
बनता है इन्सान से इक दिन महान
जिंसने तुमको कल तक रूलाया है
वो ही कल तुमको ही हँसायेगा
तेरे उजड़े हुए टुटा आशियाना
वो ही कल तुमको भी बसायेगा
मत घबराना है तुम्हें इस झंझावत से
मत भय खाना है खड़ा गिरिराज से
जब समय तेरा साकारात्मक आयेगा
दुश्मन भी आयेगा तेरे आवाज से
उम्मीद की चिरागा बुझने मत देना
हिम्मत की नाव पे चलता बढ़ता जा
अपनी सफर जारी रख मानव
एक दिन मंजिल ख़ुद दर पे आयेगा
इम्तहान वो ही सफलता है पाता
जो करता है मिहनत लगन से काम
फल कर्मों का देता है वो विधाता
जिसने दिया है सब्र का इम्तहान

काशी तमिल संगमम संस्कृतियों के अभूतपूर्व संगम

देश दुनिया में अभी प्रयागराज में संगम तट पर चल रहे महाकुंभ को लेकर भारतीय संस्कृति की चर्चा हो रही है। तीन नदियों के संगम में करोड़ों सनातनी आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। यह क्रम जारी है।26 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन तक यह सिलसिला देखने को मिलेगा। इसी बीच काशी में गंगा तट पर काशी तमिल संगमम 3.0 चल रहा है। अपने तीसरे संस्करण में यह 24 फरवरी तक सनातनियों के लिए आत्मीय संबंध को नया आयाम देगा। काशी के पवित्र घाटों पर आयोजित काशी तमिल संगमम 3.0 वास्तव में गंगा और गोदावरी के मिलन जैसा अनुभव कराता है। गंगा घाटों पर जब तमिलनाडु और दक्षिण भारत के श्रद्धालु पहुंचते हैं तो यह केवल यात्रा नहीं, बल्कि संस्कृतियों के अभूतपूर्व संगम का उत्सव बन जाता है। काशी तमिल संगमम 3.0 इस भावनात्मक और सांस्कृतिक एकता का सजीव उदाहरण है, जहां दक्षिण और उत्तर भारत की परंपराएं एक-दूसरे में समाहित होती नजर आती हैं।भारत की दो प्राचीन और समृद्ध सभ्यताओं का आत्मीय संगम है।

गंगा के किनारे लोग एक-दूसरे को वणक्कम काशी' कहकर संबोधित करते हैं, तो यह अनूठा और भावनात्मक अनुभव बन जाता है। काशी तमिल संगमम 3.0 न केवल उत्तर और दक्षिण भारत के बीच संस्कृति सेतु का कार्य कर रहा है बल्कि यह एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा को भी साकार कर रहा है। यह संगमम 3.0 भारतीय परंपराओं, संस्कृतियों और जीवन मूल्यों का उत्सव है, जो विविधताओं के बीच राष्ट्रवाद की भावना को और प्रबल करता है। यह उत्तर और दक्षिण भारत के बीच सांस्कृतिक सेतु के रूप में कार्य कर रहा है। जब तमिलनाडु से यात्री वाराणसी रेलवे स्टेशन पर उतरते हैं, तो उनका स्वागत हर हर महादेव' के जयघोष से किया जाता है। ढोल-नगाड़ों की थाप, स्वस्तिवाचन और पुष्पवर्षा से हर यात्री स्वयं को विशिष्ट अनुभव करता है। कांचीपुरम, जिसे संक्षेप में कांची

कहा जाता है, तमिलनाडु का महत्त्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र है। यह क्षेत्र हिन्दू धर्म के प्राचीन तीर्थ स्थलों में से है, यहां कई ऐतिहासिक मंदिर स्थित हैं। कांची पलार नदी के किनारे बसी है, न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है बल्कि अपनी रेशमी साड़ियों के लिए भी प्रसिद्ध है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, ब्रह्मा ने यहां देवी के दर्शन हेतु तपस्या की थी। कांची को मोक्षदायिनी सप्त पुरियों में स्थान प्राप्त है, जिनमें अयोध्या, मथुरा, द्वारका, हरिद्वार, काशी, उज्जैन और कांची शामिल हैं। यह नगरी हरिहरात्मक पुरी के रूप में प्रसिद्ध है, जहां शिवकांची और विष्णुकांची नामक दो भागों में विभिन्न मंदिर स्थित हैं। तमिलनाडु के लोग के लिए काशी केवल तीर्थ नहीं, बल्कि आध्यात्मिक आकषर्ण का केंद्र है। भगवान विनाथ, मां गंगा और देवी विशालाक्षी सदियों से तमिल भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करती रही हैं। आदि शंकराचार्य के काशी आगमन और उनके द्वारा अद्वैत वेदांत के प्रचार के बाद, तमिल संतों का काशी से लगाव और गहरा हो गया। काशी केवल शहर नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र है। बाबा विनाथ, काल भैरव, मां अन्नपूर्णा, देवी विशालाक्षी, आंध्र के मल्लिकार्जुन और तेलंगाना के भगवान राजराजेर जैसे तीर्थस्थल भारत की सांस्कृतिक पहचान को परिपूर्ण बनाते हैं। इस पवित्र नगरी ने अनेक संतों और महात्माओं को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान की है, जिसका प्रभाव आज भी तमिल समाज में देखा जा सकता है। काशी का तेलुगु संस्कृति से भी गहरा नाता है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु काशी आते हैं। तेलुगु संतों और आचार्यों ने भी इस नगरी को विशेष रूप से गौरवान्वित किया है। तेलुगु संत तेलंगस्वामी, जिनका जन्म विजयनगरम में हुआ था, को स्वामी विवेकानंद के गुरु रामकृष्ण परमहंस ने काशी का जीवंत शिव' कहा था। इसके अलावा, जिद्दू कृष्णमूर्ति और अन्य महान संतों को आज भी श्रद्धा के साथ याद किया जाता है।काशी और तेलुगु संस्कृति का संबंध साहित्य और आध्यात्मिक परंपराओं में भी स्पष्ट रूप से झलकता है। आंध्र प्रदेश के वेमुलावाड़ा तीर्थ को दक्षिण का काशी' कहा जाता है, यहां की मंदिर परंपराओं में काशी दारम' (विशेष काला सूत्र) का प्रचलन आज भी है। इसी प्रकार, तेलुगु साहित्य में काशीखंडम' जैसे ग्रंथ काशी की महिमा का बखान करते हैं। समय के साथ काशी में भी व्यापक बदलाव हुए हैं। बाबा विनाथ धाम का पुनरु द्धार, गंगा घाटों का नवीनीकरण और बेहतर परिवहन सुविधाओं ने काशी यात्रा को और सुगम बना दिया है। पहले जहां दशामेध घाट तक पहुंचने में घंटों लगते थे, वहीं अब हाईवे और नई परिवहन व्यवस्थाओं से यह समय काफी कम हो गया है। गंगा में सीएनजी चालित नावें चलाई जा रही हैं। बनारसी खानपान लस्सी, ठंडाई, चाट, लिट्टी-चोखा और बनारसी पान जैसे पारंपरिक स्वाद काशी यात्रा को और यादगार बना देते हैं। वाराणसी के लकड़ी के खिलौने आंध्र प्रदेश के एटिकोपाका खिलौनों की तरह ही प्रसिद्ध हैं, जो भारतीय हस्तशिल्प की समृद्ध परंपरा को दर्शाते हैं।

-नितिन प्रधान-

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

युवक की गला रेतकर हत्या,कुएं में मिली लाश

» आज सुबह पेशाब करने घर से बाहर निकला था युवक,दरवाजे पर मिले खून के छिंटे व चाकू

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

शहर से लगे ग्राम परसा में शुक्रवार की सुबह अज्ञात लोगों ने युवक की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। वह सुबह करीब 3.30 बजे पेशाब करने घर से बाहर निकला था। घर से करीब 200 मीटर गांव के ही एक व्यक्ति के कुएं के पास पहुंचे तो वह कुएं के अंदर घायल अवस्था में छटपटा रहा था। परिजन गांव वालों की मदद से उसे कुएं से बाहर निकालकर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाए। यहां जांच के

दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार मुन्ना राम चेरवा पिता पोटेला चेरवा (40) कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम परसा खड़हरपारा का रहने वाला था। वह गुरुवार की रात को पत्नी हिरामणि के साथ कमरे में सोया था। शुक्रवार की सुबह करीब 3.30 बजे वह पेशाब करने के लिए घर से बाहर निकाला था। कुछ समय बीत जाने के बाद जब वह वापस नहीं लौटा तो उसकी पत्नी उसे देखने के लिए बाहर निकली तो घर के दरवाजे के चौकट के पास खून के छिंटे पड़े हुए थे और खून से सना हुआ चाकू भी पड़ा था। वह चिल्लाते हुए इसकी जानकारी घर के अंदर सो रहे देवर व अन्य परिजन को दी। सभी बाहर निकले और खून के निशान को देखते हुए आगे बढ़ते गए। घर से करीब 200 मीटर दूरी पर गांव के ही नंदलाल व दरी के शौचालय के पास काफी मात्रा में खून गिरा पड़ा था। परिजन ने पास के ही एक कुएं में जाकर देखे तो युवक खून से लतपथ घायल अवस्था में कुएं के अंदर छटपटा रहा था। परिजन गांव वालों की मदद से उसे बाहर निकाले और इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए। यहां इमरजेंसी डॉक्टर ने जांच के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया।

जांच में जुटी पुलिस

घटना की जानकारी मिलने पर कोतवाली टीआई मनिष सिंह परिवार टीम के साथ मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। जांच के लिए एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया था। एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो ने बताया कि युवक के गले को धारदार हथियार से रेता गया है। युवक के शव को पीएम कराकर परिजन को सौंप दिया गया है। वहीं मामले की जांच की जा रही है। एएसपी का कहना है कि आरोपी जल्द पकड़ा जाएगा। एएसपी ने बताया कि अज्ञात बदमाशों ने घर के बाहर पहले उसका गला रेता होगा। इसके बाद उसे टांगकर घटनास्थल से करीब 200 मीटर दूर ले गए होंगे। मामले में फिलहाल पुलिस कुछ संदेहियों से पूछताछ कर रही है। मृतक अंबिकापुर में मजदूरी का काम करता था। घटना के बाद से मृतक मुन्ना की पत्नी सदमे में है। उसकी स्थिति खराब है। उसे इलाज के लिए मिशन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिजन ने बताया कि गांव के ही कुछ लोगों के साथ मुन्ना का विवाद चल रहा था।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण का परिणाम जारी...सरगुजा में भाजपा का नहीं खुला खाता

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 21 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण का मतदान गुरुवार को संपन्न हुआ। सरगुजा में दूसरे चरण का चुनाव मैनपाट व सीतापुर ब्लॉक में हुआ। जनपद पंचायत मैनपाट क्षेत्र 13 में 8 प्रत्याशी मैदान में थे। यहां से निर्दलीय प्रत्याशी अखिलेश कुजूर ने चुनाव जीता है। यहां से भाजपा समर्थित प्रत्याशी सेतराम बड़ा चुनाव हार गए हैं। इस सीट के लिए कांग्रेस ने प्रत्याशी घोषित नहीं की थी। निर्दलीय चुनाव जीते अखिलेश कुजूर का कांग्रेस का समर्थन था। वहीं क्षेत्र क्रमांक 14 के लिए 4 अभ्यर्थी मैदान में थे। यहां से भी निर्दलीय प्रत्याशी रत्नी माझी ने चुनाव जीता है। भाजपा समर्थित प्रत्यशी बसंती एक्का ने चुनाव हार गई हैं। निर्दलीय चुनाव जीतीं रत्नी माझी का कांग्रेस का समर्थन था। जनपद पंचायत सीतापुर क्षेत्र क्रमांक 11 से 5 प्रत्याशी थे। क्षेत्र क्रमांक 11 से भाजपा समर्थित शकुंतला पैकरा चुनाव हार गई हैं। यहां से कांग्रेस समर्थित प्यासो बाई मनसुख जीत दर्ज की हैं। वहीं क्षेत्र क्रमांक 12 से भाजपा समर्थित प्रत्याशी धनेश्वर राम चुनाव हार गए हैं। यहां से कांग्रेस समर्थित शिव भरोश बेक चुनाव जीते हैं। सूरजपुर जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 15 में भाजपा से बगावत कर भरतपुर-सोनहन विधायक रेणुका सिंह की बेटी मोनिका सिंह ने निर्दलीय चुनाव लड़ीं थीं। उन्होंने पूर्व मंत्री स्व. तुलेश्वर डृक्षसह के बेटे कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी सतवंत डृक्षसह को 2958 मतों से हराकर जीत दर्ज कीं हैं। जबकि भाजपा समर्थित प्रत्याशी तीसरे स्थान पर रहा। वहीं क्षेत्र क्रमांक 14 से पूर्व सांसद खेलसाय सिंह की बहू उषा सिंह चुनाव हार गई हैं। यह कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी थीं। यहां से भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी रेखा राजवाड़े ने 4200 मतों से जीत दर्ज कीं हैं। वहीं क्षेत्र क्रमांक 13 से कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी हेमलता राजवाड़े ने भाजपा की अधिकृत प्रत्याशी मंजू साहू को करीब 2800 मतों से शिकस्त दी है। जबकि क्षेत्र क्रमांक 13 प्रेमनगर में परिणाम की घोषणा नहीं हो सका है। यहां से भाजपा समर्थित प्रत्याशी नयन सिदार और निर्दलीय सीमा सिंह टेकाम के बीच मुकाबला फंसा हुआ है। बलरामपुर जनपद में दो सीटों पर चुनाव हुए,इसमें भी भाजपा समर्थित प्रत्याशियों की जीत हुई है,इससे जिला पंचायत में भाजपा का कब्जा होना तय हो गया है। दूसरे चरण में हुए मतदान के परिणाम सामने आ गए हैं। क्षेत्र क्रमांक 7 खोभी से भाजपा समर्थित उम्मीदवार अनीता मरकाम ने कांग्रेस उम्मीदवार बुद्धदेव पोया को 1500 वोटों से हरा दिया है। अनीता मरकाम को 10500 मत प्राप्त हुए और बुद्धदेव पोया को 8000 मत प्राप्त हुए। वहीं क्षेत्र क्रमांक 8 तातापानी से भाजपा समर्थित उम्मीदवार धीरज सिंहदेव ने बड़ी जीत हासिल की है। यहां कांग्रेस समर्थित सहित 5 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई है। धीरज सिंहदेव ने 33000 मतों से कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार गौर विश्वास को पराजित किया है। इससे पहले पहले चरण में हुए मतदान में भाजपा समर्थित उम्मीदवार हीरामुनि निंकुज, संजीता, गीता पैंकरा, सिद्धनाथ पैंकरा, रवि प्रताप मरावी व अनार सिंह ने जीत हासिल की थे।

ग्राम चीड़ापारा के ग्रामीणों ने लगाया मृत व्यक्ति के नाम पर फर्जी वोटिंग का आरोप

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

मृत व्यक्ति व बाहर में रहकर निवास कर रहे लोगों के नाम पर फर्जी मतदान करने की शिकायत ग्राम चीड़ापारा के ग्रामीणों ने शुक्रवार को कलेक्टोरेट पहुंचकर निर्वाचन अधिकारी से की है। मैनपाट तहसील के ग्राम चीड़ापारा के ग्रामीणों का आरोप है कि 20 फरवरी को संपन्न हुए सरपंच के मतदान दौरान गांव के भेलतरई पारा में स्थित बूथ क्रमांक 92 में मृत व्यक्तियों सहित अन्य के नाम फर्जी मतदान किया गया है। बताया गया है कि स्व. केन्दी तिग्गा,स्व. लुन्दा तिर्की, स्व. देवर तिर्की व स्व. रफेल तिर्की के नाम पर भी मतदान कराया गया है। इसी प्रकार जो लोग बाहर और नौकरी में पदस्थ होने के कारण मतदान नहीं किए हैं, उनका भी इसी बूथ में फर्जी रूप से मतदान अन्य लोगों द्वारा करने की जानकारी नाम सहित दी गई है। शिकायत पत्र में बताया गया है कि ग्राम चीड़ापारा सरनाडांड के उमेश लकड़ा वर्तमान में इंडियन आर्मी में, शिवलाल छत्तीसगढ़ पुलिस गरियाबंद में, राजेन्द्र एक्का सीआरपीएफ में,चीड़ापरा भेलतरई के ही रमेश व संदीप उर्फ संजू गोवा में मजदूरी करने के कारण मतदान नहीं किए थे। सरपंच पद की प्रत्याशी प्रभा तिग्गा व ग्रामीणों का कहना है कि मृतकों व गांव से बाहर रहे लोगों ने कैसे मतदान किया, इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। इनके द्वारा बूथ क्रमांक 92 में खुले रूप से हुए फर्जी मतदान को रद्द करके पुनः मतदान कराने की मांग की गई है। बता दें कि ग्राम पंचायत चिड़ापारा मैनपाट में मतदाताओं की संख्या 1140 है। यहां से सरपंच पद की लीला तिर्की और प्रभा तिग्गा के बीच हुए मुकाबला में लीला को 391 मत और प्रभा को 383 मत प्राप्त हुआ है, ऐसे में लीला 7 मतों से विजयी घोषित की गई है। वहीं दूसरे चरण के मतदान के दौरान गड़बड़ी किए जाने का आरोप सीतापुर के ग्रामीणों ने भी लगाया है। आक्रोशित ग्रामीणों ने शुक्रवार को सीतापुर जनपद कार्यालय का घेरा कर विरोध प्रदर्शन किया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि मतदान समाप्त होने से पूर्व 1 घंटे पहले ही पोलिंग बूथ एजेंटों को बाहर कर दिया गया था। पीठासिन अधिकारियों द्वारा मनमानी की गई है। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि कई ग्रामीणों को वोट नहीं देने दिया गया है।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा बोर्ड परीक्षा तिथि घोषित

हायर सेकण्डरी की 01 मार्च एवं हाईस्कूल 03 मार्च से परीक्षाएं होंगी प्रारम्भ

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा संचालित हाईस्कूल,हायर सेकण्डरी परीक्षा वर्ष 2025 हायर सेकण्डरी दिनांक 01 मार्च 2025 से 28मार्च 025 तथा हाईस्कूल 03 मार्च2025 से 24 मार्च 2025 समय प्रातः 09:00 से 12:15 तक निर्धारित परीक्षा केन्द्र 75 में संपन्न होंगे। इस हेतु पंजीकृत परीक्षार्थियों की संख्या हाईस्कूल 9415 एवं हायर सेकण्डरी 8044 हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी से प्राप्त अनुसार मंडल पार्टी द्वारा परीक्षा गोपनीय सामग्री 25 फरवरी 2025 समय 10:00 बजे से समन्वय संस्था शासकीय बहु0उ0मा0वि0 अम्बिकापुर में समस्त 75 केन्द्र के केन्द्राध्यक्ष /प्राचार्यों को वितरण किया जायेगा। परीक्षा गोपनीय सामग्री प्राप्त करने के लिए केन्द्राध्यक्ष एक सहयोगी के साथ दो कुन्दों वाला 02 पेटी लेकर वितरण केन्द्र पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होंगे। तथा हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी की गोपनीय सामग्री अलग-अलग पेटी में रखकर 1-4 सशस्त्र बल की सुरक्षा में निर्धारित रूट चार्ट 09 अनुसार बस में परिवहन कर केन्द्र के नजदीक स्थित थाना/चौकी में पेटियां सुरक्षित रखी जायेगी।

7 दिन से लापता युवक की कुएं में मिली लाश

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 21 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

7 दिनों से लपाता युवक की लाश घर के समीप कुएं में मिली है। मामले में गांधीनगर पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार महेश रवि पिता रामलखन उम्र 32 वर्ष गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम खलिबा का रहने वाला था। वह आए दिन घर में बिना बताए कहीं रिश्तेदारों के यहां चला जाता था। 14 फरवरी की रात को खाना खाने के बाद घर के बाहर बैठा था। इसके बाद वह अचानक लापता हो गया था। परिजन यह समझकर खोजबीन नहीं कर रहे थे कि वह कहीं रिश्तेदारों के घर चला गया होगा। गुरुवार की शाम को महेश की मां घर के पास कुएं में ट्यूबवेल में पाइप लगा रही थी। तभी कुएं में 7 दिन से गायब बेटे का लाश पानी में था। वह इसकी जानकारी परिजन को दी। परिजन गांव वालों की मदद से लाश को कुएं से बाहन निकाला। सूचना पर गांधीनगर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामल की जांच की और शव का पीएम कराकर परिजन को सौंप दिया। फिलहाल पुलिस मामले में मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई के लिए पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

द्वितीय चरण में दो विकासखंड में 82.72 प्रतिशत हुए मतदान

» सीतापुर में 84.29 प्रतिशत तो मैनपाट में 80.78त हुआ मतदान
» महिला मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर निर्वाचन में लिया भाग
» मतदान सफलता पूर्वक पूर्ण कर मतदान दलों की वापसी पर किया गया स्वागत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 के द्वितीय चरण के मतदान हेतु जिले के जनपद पंचायत मैनपाट और सीतापुर में 85 ग्राम पंचायतों में मतदान सम्पन्न हुए। स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान हेतु 267 मतदान केंद्र बनाए गए थे। जिसके लिए 1335 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी तैनात किया गया था। मतदान दलों की वापसी पर रिटर्निंग अधिकारी पंचायत श्री विनय कुमार अग्रवाल एवं अन्य अधिकारियों ने सफलता पूर्वक निर्वाचन संपन्न कराने के लिए पूरी टीम को बधाई दी एवं स्वागत किया।

द्वितीय चरण के मतदान का अंतिम विवरण इस प्रकार

जनपद पंचायत मैनपाट में कुल 54 हजार 396 मतदाता हैं, मतदान करने वाले मतदाताओं में 21 हजार 972 महिलाएं और 21 हजार 973 पुरुष, कुल 43 हजार 945 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार मतदान प्रतिशत 80.78त रहा।

जनपद पंचायत सीतापुर में कुल 67 हजार 322 मतदाता हैं। मतदान करने वाले मतदाताओं में 28 हजार 542 महिला एवं 28 हजार 207 पुरुष, कुल 56 हजार 750 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिसका मतदान प्रतिशत 84.29त रहा।

इस प्रकार द्वितीय चरण के निर्वाचन हेतु दोनों विकासखंड में 50 हजार 514 महिला एवं 50 हजार 180 पुरुष, कुल 01 लाख 695 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया, जिसका मतदान प्रतिशत 82.72त रहा।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्वाचन कार्यक्रम अनुसार तृतीय चरण का मतदान आगामी 23 फरवरी को सरगुजा जिले के लुण्ड्रा और बतौली में सम्पन्न होगा।

अवैध अंग्रेजी शराब बिक्री के मामले मे सरगुजा पुलिस की कार्यवाही, आरोपी से 5.260 मिलीलीटर अवैध अंग्रेजी शराब किया गया जप्त

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा अवैध शराब बिक्री के मामलो मे संदेहियो/आरोपियों पर लगातार सखूती से कार्यवाही कर आरोपियों की धरपकड़ की जा रही हैं, इसी क्रम मे मामले का संछिप्त विवरण इस प्रकार हैं कि दिनांक 20/02/25 कों पुलिस चौकी केरजू की पेट्रोलिंग टीम कों दौरान पेट्रोलिंग जरिये मोबाइल सूचना प्राप्त हुआ कि ग्राम बंशिपुर राताखार की ओर एक व्यक्ति सफ़ेद रंग की इको कार मे अवैध अंग्रेजी शराब का परिवहन कर रहा हैं। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौक़े पर पहुंचकर संदेही की घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम दिलीप टोप्पो आत्मज जोईलू टोप्पो उम्र 32 वर्ष साकिन वंशीपुर दर्रापारा पुलिस चौकी केरजू थाना सीतापुर का होना बताया, संदेही के ईको वाहन क्रमांक सीजी/15/ईएफ/4452 की तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से कुल 22 पौवा आईकॉन प्रिमियम व्हीस्की, एवं 02 बॉटल बटवाईजर बियर जप्त किया गया। उक्त अवैध अंग्रेजी शराब रखने व परिवहन करने के संबंध में आरोपी कों धारा 94 बीएनएसएस का नोटिस दिया गया। जो अपने जबाब में अंग्रेजी शराब रखने व परिवहन करने के संबंध में किसी प्रकार कर वैद्य दस्तावेज नहीं होना लेख किया है। आरोपी से 22 पौवा आईकॉन प्रिमियम व्हीस्की प्रत्येक में 180 मिली कुल 3.960 मिली. एवं 02 नग बटवाईजर बियर प्रत्येक में 650 मिली कुल 1.300 मिली कुल जुमला 5.260 मिली अंग्रेजी शराब कीमती 3360 रूपये एवं परिवहन में उपयोग किया गया ईको वाहन क्रमांक सीजी/15/ईएफ/4452 को जप्त कर कब्ज़ा पुलिस लिया गया।आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से पुलिस चौकी केरजू/ थाना सीतापुर मे अपराध क्रमांक 71/25 धारा 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी कों गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे चौकी प्रभारी केरजू सहायक उप निरीक्षक राजेश्वर महंत, प्रधान आरक्षक तिजलाल पैकरा, आरक्षक शिवमूरत किंडो सक्रिय रहे।

» पुलिस चौकी केरजू द्वारा मामले मे आरोपी कों गिरफ्तार कर की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही

» आरोपी के कब्जे से 22 नग आईकान प्रीमियम व्हीस्की का पौवा अवैध अंग्रेजी शराब प्रत्येक में 180 एम.एल., 02 नग बटवाइजर बियर प्रत्येक मे 650 एम.एल. कुल कीमत लगभग 3360/- रुपये एवं घटना मे प्रयुक्त कार किया गया बरामद

» नशीले पदार्थो के अवैध खरीद फरोख्त मे शामिल आरोपियों पर लगातार अभियान चलाकर की जा रही कार्यवाही

पदीय गरिमा के विपरीत कार्य करने पर प्रभारी प्राचार्य निलंबित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

राजेन्द्र ठाकुर बलरामपुर बलरामपुर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, वाड्रफनगर में आयोजित विदाई समारोह में संस्था के प्रभारी प्राचार्य श्री रामनाथ नायक, मूल पद व्याख्याता (एल.बी.) के द्वारा छात्राओं के साथ अश्लील गानों पर डांस (नृत्य) करने संबंधी खबर मीडिया में वायरल हुई थी। मीडिया में वायरल खबर को संज्ञान में लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा स्वयं विद्यालय में पहुंचकर विद्यालय के स्टाफ एवं छात्राओं की उपस्थिति में वायरल खबर के संबंध में जांच की गई। जांच में वायरल खबर की पुष्टि हुई है। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री नायक के द्वारा छात्राओं के साथ अश्लील गानों पर डांस (नृत्य) करना पदीय गरिमा के विपरीत एवं अनुशासनहीनता है, जिसके कारण विभाग की छवि धूमिल हुई है । श्री रामनाथ नायक, प्रभारी प्राचार्य का उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-3 के विपरीत गंभीर कदाचरण की श्रेणी में आता है। अतः छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 के उपनियम (1) के अन्तर्गत संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय के द्वारा श्री रामनाथ नायक,प्रभारी प्राचार्य (मूल पद व्याख्याता एल.बी.), को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए इनका मुख्यालय, कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज नियत किया गया है। निलंबन अवधि में संबंधित को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

महाशिवरात्रि के ठीक पहले अज्ञात चोरों ने शिवलिंग और धातु से बना नाग चुराया

- संवाददाता -
वाड्रफनगर,21 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के क्षे त्र वाड्रफनगर खरहरा देवस्थल में महाशिवरात्रि से ठीक पहले अज्ञात चोरों ने शिवलिंग और धातु से बना नाग चुरा लिया। इस घटना से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है ग्रामीणों की मानें तो यह चोरी हिन्दूओं की आस्था को ठेस पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया है क्योंकि महाशिवरात्रि के दिन यहां भव्य मेले का आयोजन किया जाता है।

घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने वाड्रफनगर पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने एफ आईआर र्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। धार्मिक स्थल से शिवलिंग चोरी होने की यह पहली घटना नहीं है,यहीं पर लगभग तीन बार चोरी हो चुकी है,लेकिन महाशिवरात्रि के ठीक पहले इस घटना से श्रद्धालु आक्रोशित हैं।

ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द शिवलिंग की बरामदगी और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और जल्द खुलासे का दावा कर रही है।

शौर्य सराफ फैंसिग के राष्ट्रीय प्रतियोगिता पटना,बिहार में जीता सिल्वर मेडल

» सरगुजा जिला फैंसिग खिलाड़ी शौर्य सराफ 68वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता पटना, बिहार में जिता सिल्वर मेडल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिला फैंसिग संघ के राष्ट्रीय खिलाड़ी शौर्य सरार्फ ने राष्ट्रीय फैंसिग प्रतियोगिता में जिता सिल्वर मेडल। शौर्य सरार्फ सरगुजा फैंसिग के उत्कृष्ट खिलाड़ी हैं पिता डी के सोनी जी के पुत्र हैं व दशमेश पब्लिक स्कूल अम्बिकापूर के छात्र हैं पुर्व में कई ओपेन फैंसिग राष्ट्रीय प्रतियोगिता खेल चुके हैं।

राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि शौर्य सरार्फ विगत तीन वर्षो से फैंसिग का अभ्यास गांधी स्टेडियम, बास्केटबाल ग्राउंड पर करते हैं साथ ही अपने से छोटे बच्चों को भी फैंसिग सिखाया करता है

राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह बताना की गांधी स्टेडियम में निशुल्क फेंसिंग का ट्रेनिंग दिया जाता है साथ ही खेल सामग्री उपलब्ध कराया जाता है।

शौर्य सरार्फ को आज गांधी स्टेडियम के बास्केटबाल ग्राउंड पर शौर्य सरार्फ का सम्मान किया गया। इस अवसर पर सरगुजा फैंसिग परिवार के साथ बास्केटबॉल परिवार के सभी खिलाड़ी उपस्थित रहे, सभी ने बधाई दिया।

महाकुंभ से लौट रहे वृद्ध की सडक़ हादसे में मौत,चार घायल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर मार्ग पर स्थित गणेशपुर मोड़ के पास शुक्रवार की सुबह करीब 5 बजे सडक़ पर अचानक सियार आ गया। इससे कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार सवार 5 लोग घायल हो गए। सभी प्रयागराज महाकुंभ से तिर्थि कर वापस लौट रहे थे। गंभीर रूप से घायल एक वृद्ध को जांच के दौरान चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मृत घोषित कर दिया। जबकि चार लोगों का इलाज शहर के निजी अस्पताल में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार बबूल मंडल उम्र 65 वर्ष शहर के गांधीनगर का रहने वाला था। परिवार के सदस्यों व परिचितों के साथ कार क्रमांक सीजी 29 एडी 3967 से प्रयागराज महाकुंभ तिर्थि करने गया था। कार में 5 लोग सवार थे। तिर्थ करने के बाद सभी वापस लौट रहे थे। शुक्रवार की सुबह करीब 5 बजे जैसे ही प्रतापपुर रोड स्थित गणेश मोड़ के पास पहुंचे थे कि अचानक सडक़ पर एक सियार आ गया। इससे चालक वाहन से नियंत्रण खो दिया और कार पलट गई। कार में बैठे सभी लोग निंद में थे। वाहन पलटने से चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने सभी को कार से बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। दुर्घटना में बबूल मंडल,प्रिया मंडल,पूजा मंडल,राकेश श्याम, विकास गुप्ता घायल हो गए। वहीं बबूल मंडल को गंभीर चोटें आई थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जबकि अन्य घायलों का इलाज शहर के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

नवनिर्वाचित सरपंच पर लगे शासकीय जमीन पर अतिक्रमण के आरोप सरपंच के निष्कासन की हुई मांग

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 21 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर जनपद के ग्राम पंचायत भिट्ठीकलां के नवनिर्वाचित महिला सरपंच पर लगे शासकीय जमीन पर अतिक्रमण का आरोप। दरअसल गांव के ही निवासी हिंगोरा सिंह ने कलेक्टर सरगुजा के समक्ष शिकायत प्रस्तुत करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत की नवनिर्वाचित सरपंच जुगमुनिया बाई के द्वारा पंचायत चुनाव के पूर्व निर्वाचन फॉर्म में गलत जानकारी भरते हुए चुनाव लड़ा गया और जीत भी गई जबकि निर्वाचन

फॉर्म मैं स्पष्ट उल्लेख है कि किसी भी अभ्यर्थी का सरकारी जमीन पर अतिक्रमण नहीं होना चाहिए । अगर अतिक्रमण धारी है तो सरपंच पद के अभ्यर्थी के रूप में पात्र नहीं होंगे जबकि सरपंच के द्वारा ग्राम पंचायत में ही शासकीय जमीन पर कब्जा करने का आरोप है बावजूद जगमुनिया सरपंच के द्वारा आवेदन जमा कर चुनाव लड़ा गया और उसकी जीत भी हो गई है वही शिकायतकर्ता ने कहा कि पूर्व में भी 5 वर्ष से ग्राम पंचायत की सरपंच पद पर रही है और सरपंच के द्वारा कई प्रकार के भ्रष्टाचार भी किए गए हैं वहीं उपसरपंच पंच किसी के भी सहमति के बिना सचिव से मिली भगत कर अपना मनमाना रवैया चलाती है गांव के लोग सरपंच से भयभीत भी रहते हैं । शिकायतकर्ता ने कहा कि सरपंच की निर्वाचन प्रमाण पत्र पर रोक लगाई जाए और सभी बिंदुओं पर जांच कर पुनः मतदान की प्रक्रिया को कराई जाए । वहीं सरपंच के खिलाफ पूर्व में फर्जी जाति प्रमाण पत्र का शिकायत करने वाले पत्रकार पर

भरी पंचायत में लाठी से हमला महिला सरपंच के द्वारा कर दिया गया था जिसकी थाने में लिखित शिकायत भी की गई बावजूद सरपंच की दबंगई इतनी है कि कोई भी सरपंच के खिलाफ कार्यवाही नहीं होता है आखिर प्रशासन कार्यवाही करने पर क्यों बच जाता है यह एक बड़ा सवाल है आखिर किस बड़े राजनीतिज्ञ का हाथ नवनिर्वाचित सरपंच पर है।

एंबुलेंस 108 में आसामाजिक तत्वों ने लगाई आग धू धू कर जला एम्बुलेंस

- संवाददाता -
लखनपुर,21 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत 20 फरवरी दिन गुरुवार की रात लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पीछे खड़े एंबुलेंस 108 वाहन में आसामाजिक तत्वों ने आग लगा दी। स्थानीय लोगों के द्वारा लखनपुर पुलिस और दमकल की टीम को सूचना दी गई। सूचना पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को आग से दूर रहने समझाईस दी गई। देखते ही देखते धू धू का एंबुलेंस वाहन जलकर खाक हो गया। रहवासी क्षेत्र में इस तरीके से आसामाजिक तत्वों के द्वारा आग लगा दिए जाने की घटना से लोगों में भय का माहौल व्याप्त है। बताया जा रहा है कि 1 वर्ष से अधिक समय से एंबुलेंस वहान कंडम स्थिति में वहां खड़ी की गई थी। लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पीछे आसामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है।

लोहे का गेट गिरने से घर के बाहर खेल रहे बच्चे घायल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र के गंगापुर में एक घर का गेट गिरने से वहीं खेल रहे कुछ मासूम बच्चे घायल हो गए। इन्हें कार सवारों के द्वारा इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाने और आधा-अधूरा इलाज कराने के बाद साथ ले जाने की खबर है।

जानकारी के मुताबिक गंगापुर में तुलसी चौक के पास कुछ बच्चे खेल रहे थे, इसी दौरान लोहे का गेट अचानक गिरा, जिसके चपेट में बच्चे आ गए। बताया जा रहा है कि गंभीर व सामान्य रूप से घायल बच्चों को कार से कुछ लोग मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आपातकालीन चिकित्सा परिसर में लेकर पहुंचे थे। बच्चों के सीने और पैर फैक्चर की बनी स्थिति को देखते हुए चिकित्सक ने आवश्यक उपचार सुविधा मुहैया कराने के साथ एक्स-रे कराने के लिए कहा था। अस्पताल के सूत्रों का कहना है कि सायं 6 बजे तक उनके पास बच्चों को एक्स-रे कराने के लिए लेकर कोई नहीं आया था। यहां की स्टॉफ नर्सों ने बच्चों को भर्ती करके इनके स्वजन को बुलाने की भी सलाह दी थी। घायल हुए बच्चों का नाम हितेश 9 वर्ष, पूजा 9 वर्ष व चिंटू 8 वर्ष बताया जा रहा है। बच्चों को समुचित उपचार की सुविधा दिलाए बगैर क्यों ले गए, इसे लेकर यहां की स्टाफ नर्सें भी हतप्रभ रहीं।

नेशनल हाईवे 130 स्थित सिंगीटाना में कार की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की हुई मौत दूसरा युवक बाल बाल बचा

- संवाददाता -
लखनपुर,21 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के अंबिकापुर बिलासपुर नेशनल हाईवे 130 स्थित सिंगीटाना में 20 फरवरी दिन गुरुवार की रात लगभग 8 बजे कार की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई वहीं दूसरा युवक बाल बाल बच गया।मिली जानकारी के मुताबिक इंजेश राजवाड़े पिता स्वर्गीय विलास राम राजवाडे उम्र 20 वर्ष ग्राम जोधपुर ऊपर पारा निवासी गुरुवार की शाम लखनपुर मोबाइल दुकान संचालक का बाइक मांगकर मोबाइल दुकान संचालक के रिश्तेदार युवक अमन राजवाड़े पिता प्रभु नारायण राजवाड़े उम्र 19 वर्ष पचीरा सूरजपुर निवासी के साथ बाइक क्रमांक छ्ग 15 श्चर 6945 में अंबिकापुर किसी कार्य से गया हुआ था।अंबिकापुर से वापस लौटने के दौरान सिंगीटाना के पास कार क्रमांक cg 15 B 0440 के चालक ने लापरवाहिक पूर्व वाहन चलाते हुए बाइक सवारों को सामने ठोकर मार दी। बाइक सवार युवक इंजेश राजवाड़े गंभीर रूप से घायल हो गया वहीं बाइक के पीछे बैठा युवक अमन राजवाड़े मोटरसाइकिल से उछलकर सड़क के साइड में गिरा जिसे मामूली चोटे आई। सूचना उपरांत डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों युवक को उपचार हेतु लखनपुर अस्पताल लेकर आई।जहां घायल इंजेश राजवाड़े को डॉक्टर ने मृत् घोषित किया वही घटना में दूसरा युवक बाल बाल बच गया।डायल 112 की सक्रिय भूमिका से मृतक के परिजनों को सूचना दी गई। मृतक के शव को लखनपुर अस्पताल के मर्चुरी में रखवाया गया। परिजनों द्वारा लखनपुर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया गया। पुलिस ने 281,125 (a) 106(1) BNS के तहत अपराध पंजीबद्ध कर शव को कब्जे में लेकर 21 फरवरी दिन शुक्रवार की दोपहर शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द किया गया। घटना के बाद से परिवार सहित गांव में शोक का माहौल व्याप्त है। बताया जा रहा है कि 2 वर्ष पूर्व मृतक युवक के पिता की मृत्यु हो चुकी है। और अब सड़क दुर्घटना में युवक की मृत्यु के बाद परिवार वाले सदमे में है।

क्या जिला पंचायत चुनाव में कांग्रेस का एक गुट कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी को हराने के लिए कर रहा मेहनत ?

आम सभा से दूर कांग्रेसी भीतरघात करने में जूटे...कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी को कैसे मिले हार इसके लिए डोर-टू-डोर हो रहा प्रचार

कांग्रेस की तरह भाजपा नेता भी कई जगह पार्टी समर्थित प्रत्याशी को हरवाने सक्रिय

क्षेत्र क्रमांक 3,4,5 के प्रत्याशी के लिए बढ़ा सकते हैं भाजपा के ही नेता मुसीबतः सूत्र

जिला पंचायत से लेकर जनपद पंचायत चुनाव के कई सीट हाई प्रोफाइल है

प्रत्याशी चयन से लेकर प्रत्याशी जीताने तक में पसंद व नापसंद बना मुद्दा

क्षेत्र क्रमांक 4 में जीतने के लिए कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी को आखिरकार रनई जमीदार तक पहुंचना पड़ा

रनई जमीदार से अनुमति लेने के बाद में जनता से अपने लिए मत मांगने पहुंचे कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी

क्षेत्र क्रमांक 4 के कांग्रेस प्रत्याशी बिहारी लाल राजवाड़े

क्षेत्र क्रमांक 4 के भाजपा प्रत्याशी विनोद साहू

क्षेत्र क्रमांक 4 के बगावत कर पार्टी से निर्दलीय प्रत्याशी बने राजेश साहू

क्षेत्र क्रमांक 4 की निर्दलीय प्रत्याशी माला सिंह

क्षेत्र क्रमांक 5 की भाजपा समर्थित प्रत्याशी गीता राजवाड़े

क्षेत्र क्रमांक 5 की कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी आशा साहू

क्षेत्र क्रमांक 6 के कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी वेदांती तिवारी

क्षेत्र क्रमांक 6 के भाजपा समर्थित प्रत्याशी मोहित पैकरा

जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 4 के कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी पहुंचे तो रनई जमीदार के घर

क्षेत्र क्रमांक 6 में भाजपा प्रत्याशी मोहित पैकरा के लिए मत मांगने पहुंचे वर्तमान विधायक भईयालाल राजवाड़े

-रवि सिंह-
कोरिया,21 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का अंतिम चरण 23 फरवरी को संपन्न हो जाएगा,जिसे लेकर कोरिया जिले में जिला पंचायत क्षेत्र के 10 सीटों में से 8 सीटों के लिए मतदान 23 फरवरी को होना है, दो सीटों पर पहले चुनाव हो चुका है जिसमें एक में भाजपा तो एक में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी को जीत मिली है, बचे आठ जिला पंचायत सीटों पर चुनाव को लेकर घमासान जारी है, इन आठ सीटों में से चार सीट काफी हाई प्रोफाइल हो चुके हैं कई मामलों में इन सीटों पर दोनों प्रत्याशियों की जीत उनकी राजनीतिक सफर को आगे बढ़ाएगा जो जीतेगा उसका राजनीतिक सफर आगे बढ़ेगा, जिसे लेकर भीतरघात होने की भी संभावना बढ़ गई है, सबसे अधिक यदि कोई सीट संवेदनशील है तो वह सीट है क्षेत्र क्रमांक 3, क्षेत्र क्रमांक 4 ,क्षेत्र क्रमांक 5 क्षेत्र क्रमांक 6 व क्षेत्र क्रमांक 10। क्षेत्र क्रमांक 4 में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी बिहारी लाल राजवाड़े जो पूर्व विधायक की पसंद के प्रत्याशी माने जाते हैं, वहीं भाजपा से विनोद साहू है भाजपा समर्थित प्रत्याशी जो पूर्व जिलाध्यक्ष के पसंद के प्रत्याशी माने जाते हैं, इन सीटों की बात की जाए तो इन दोनों सीट पर स्थिति काफी गंभीर है भाजपा समर्थित प्रत्याशी के सामने भाजपा का ही पदाधिकारी कार्यकर्ता व्यक्ति ही निर्दलीय मैदान में है तो वहीं कांग्रेस के साथ भी स्थिति कुछ ऐसी ही है वहां पर भी कांग्रेस पार्टी से सम्बद्ध एक प्रत्याशी मैदान में है और यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां पर सबसे अधिक प्रत्याशी है अब ऐसे में समर्थित प्रत्याशियों की जीत काफी कठिन हो गई है, पर प्रत्याशी मेहनत कर रहे हैं अपनी जीत सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं पर अब जनता किसे अपना आशीर्वाद देती है यह तो 23 तारीख के चुनाव के बाद जो परिणाम आए गए वह तय करेंगे, पर वहीं कांग्रेस प्रत्याशी जो क्षेत्र क्रमांक 4 से लड़ने के लिए काफी उत्सुक थे, वह नहीं चाह रहे थे कि शुक्ला परिवार से कोई प्रत्याशी तय हो, पर अब जब वह खुद प्रत्याशी तय हो गए हैं तो अब उन्हें जीतने के लिए शुक्ला परिवार की मदद की आवश्यकता है अंतिम समय में प्रचार करने के लिए कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी रनई जमीदार के पास जा पहुंचे हैं और उनसे अनुमति लेकर रनई की जनता के पास पहुंचे, ताकि रनई की जनता उन पर अपना आशीर्वाद बरसा सके पर यह आशीर्वाद कितना बरसेगा यह परिणाम के बाद पता चलेगा, वैसे उस दरबार पर पहुंचना प्रत्याशी के लिए उतना ही जरूरी था क्योंकि यह दरबार कहीं ना कहीं जीत सुनिश्चित करने व जीत छिनने के लिए जाना जाता है।

पूर्व कांग्रेस विधायक प्रत्याशी वेदांती तिवारी पति बेटी स्वयं अपने पिता का प्रचार करते देखी गई

क्षेत्र क्रमांक 5 व 6 में एक समाज को बरगलाने की साजिश

चुनाव साम दाम दंड भेद का कहलाने लगा है,जीत के लिए हर षड्यंत्र आजमाएं जाते हैं इस बार भी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 5 व 6 में कुछ ऐसी ही स्थिति है, सूत्रों का दावा है कि पैकरा समाज यह कह रहा है कि यदि वर्तमान विधायक भाजपा समर्थित प्रत्याशी के पास प्रचार में नहीं पहुंचेंगे तो क्षेत्र क्रमांक 5 में पैकरा समाज भाजपा प्रत्याशी यानी कि वर्तमान विधायक की बेटी का समर्थन नहीं करेगा,अब यह हवा में उड़ती हुई बात है, इसकी सच्चाई कितनी है इसकी पुष्टि तो हम नहीं करते, पर यह धुंआ उठ गया है जो चुनाव के परिणाम को प्रभावित कर सकता है। वैसे कहा जाए तो क्षेत्र क्रमांक 6 के भाजपा समर्थित प्रत्याशी वर्तमान विधायक की ही पसंद है, उन्होंने अपनी पसंद से ही वहां पर उन्हें टिकट दिलाया था, उसके बावजूद भी यह धुंआ कहीं ना कहीं ब्लैकमेल करने वाला धुआं माना जा रहा है, जबकि उन क्षेत्रों का दौरा करने के लिए संगठन है पर विधायक का जाना वहां पर इसलिए अनिवार्य किया जा रहा है, ताकि चुनाव में कंट्रोवर्सी पैदा किया जा सके। क्षेत्र क्रमांक 5 में वर्तमान विधायक की बेटी का चुनाव जीतना भी काफी अहम है और महत्वपूर्ण भी है, वहां पर भी कांग्रेस प्रत्याशी को जीत दिलाने के लिए पूर्व विधायक का आगमन हो चुका है आम सभा व बैठक ना करके साइलेंटली तरीके से उनका काम अपने प्रत्याशी के लिए किया जा रहा है, और इस प्रचार के दौरान कुछ दुष्प्रचार भी साथ में हो जा रहे हैं, अभी कांग्रेस के पूर्व विधायक आमसभा नुक्कड़ सभा से लेकर फोटोशूट से दूर अपने प्रत्याशी के लिए प्रचार करती दिख रही है। पर अभी तक अपने प्रत्याशी के लिए उस प्रकार से प्रचार नहीं दिखा जो आज तक चुनाव में दिखता है। कहीं ना कहीं सूत्रों का दावा है कि कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी को विधायक के दावेदार के लाइन से हटाने के लिए षड्यंत्र के साथ उनकी हार सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस का एक गुट पूरी तरीके से लगा हुआ है।

क्या वेदांती तिवारी की बैलगाड़ी फंस जाएगी कांग्रेसियों के भीतरघात की वजह से ?

दो बार के विधायक प्रत्याशी व एक बार के जिला पंचायत सदस्य व उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी दूसरी बार जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ रहे हैं, पहली बार इन्हें जिला पंचायत सदस्य के चुनाव लड़ने से रोका जा रहा था कांग्रेस अपना समर्थित प्रत्याशी मानने से मना कर चुकी थी, जिस वजह से उन्हें निर्दल ही अपने जन आधार को साबित करने के लिए मैदान में उतरना पड़ा था, उस समय भी उनका चुनाव चिन्ह बैलगाड़ी छाप ही था, यह चुनाव 2020 में हुआ था अब 5 साल बाद यह चुनाव फिर 2025 में हो रहा है इस बार कांग्रेस ने उन्हें अपना समर्थित प्रत्याशी बना लिया है अब यह क्यों हुआ है इसका तो आकलन करना मुश्किल है पर षड्यंत्र की इसमें बु आ रही है यह तो तय है। प्रत्याशी द्वारा खुलकर कांग्रेस से प्रत्याशी होने के लिए मांग नहीं की गई थी पर फिर भी कांग्रेस ने उन्हें अपना समर्थित प्रत्याशी मानकर सूची जारी कर दी, अब प्रत्याशी सूची जारी होने के बाद वेदांती तिवारी जो इस समय कोरिया जिले के जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 6 से चुनाव लड़ रहे हैं वहां पर उन्हें हार मिले इसलिए भीतरघात हो रहा है ऐसी खबरें मिल रही हैं, प्रत्याशियों के प्रचार करने के लिए आमसभा पर ना तो जिलाध्यक्ष पहुंच रहे हैं और ना ही पूर्व विधायक पहुंच रही हैं पर प्रचार घर-घर जाकर दुष्प्रचार में बदल रहा है, यह बात अब सुलगते हुए धुएं के साथ उठने लगी है। वेदांती तिवारी की हार इसलिए भी कांग्रेसियों के लिए जरूरी है क्योंकि अगले बार विधानसभा में एक विधायक प्रत्याशी कम किया जा सके यह लक्ष्य है त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का? वेदांती तिवारी की जीत उनकी खुद की व्यावहारिकता व उनके क्षेत्र में किए गए कार्यों पर आधारित है वैसे 5 वर्ष में उन्होंने अपने क्षेत्र के लिए कुछ खास नहीं किया यह भी उनके लिए इस चुनाव में समस्या बन रहा है पर क्यों नहीं किया यह भी किसी से छुपा नहीं है। यह सीट कुछ इस प्रकार से हो गई है जैसे ढाई ढाई साल के कार्यकाल खत्म होने के बाद कोई नेताओं की नहीं सुन रहा था विधायकों की नहीं सुन रहा था अपने समर्थकों की नहीं सुन रहा था वैसा ही साल कुछ वेदांती तिवारी का भी जिला पंचायत उपाध्यक्ष में रहते हुए रहा।

एक तीर से तो निशाना लगाने की फिराक में भाजपा व कांग्रेस दोनों ?

जिला पंचायत चुनाव को बचाने के लिए और दिग्गज नेताओं की साख बचाने के लिए दोनों तरफ से प्रयास जारी है जहां क्षेत्र क्रमांक 6 में कांग्रेस कांग्रेस प्रत्याशी को हराना चाहती है तो वहीं क्षेत्र क्रमांक 5 में भाजपा भाजपा प्रत्याशी को हराने में लगी हुई है। भाजपा से 2028 का ख्वाब देखने वाले क्षेत्र क्रमांक 5 के प्रत्याशी को हराकर वर्तमान विधायक की लोकप्रियता पर पूर्णविराम लगाना चाह रहे हैं, ताकि एक समाज की राजनीति आगे भी ना चल सके। वहीं कांग्रेस का भी विचार कुछ ऐसा ही है जहां तक अपने प्रतिद्वंदी को चुनाव हराकर विधायक के रेस से बाहर कर सकें ताकि 2028 के विधानसभा चुनाव में विरोधियों की संख्या कम हो सके। वैसे विधायक भी केवल क्षेत्र क्रमांक 5 में और 2 में ज्यादा ध्यान लगाए हुए हैं, उन्हें भी भाजपा समर्थित अन्य से कोई सरोकार नजर नहीं आ रहा है।

रनई जमीदार के लिए कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी को जनपद पंचायत 10 से जितवाना हुआ काफी महत्वपूर्ण

रनई जमींदार के लिए इसबार जनपद पंचायत क्षेत्र क्रमांक 10 से अपना प्रत्याशी कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी जिताना काफी महत्वपूर्ण हो गया है। रनई जमींदार के लिए यह समस्या खड़ी हो गई है कि पहली बार रनई गांव से ही कोई प्रत्याशी भाजपा समर्थन से चुनाव लड़ रहा है वहीं कांग्रेस का समर्थित उम्मीदवार कोई और है ऐसे में रनई जमींदार किसे मदद पहुंचाएं यह उनके लिए दिक्कत वाली बात हो गई है। भाजपा समर्थित को जिताने पर रनई की परम्परा टूटेगी और गैर कांग्रेसी को समर्थन गांव का मिल सकेगा वहीं यदि कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी हार जाता है तब भी रनई ग्राम का इतिहास बदलता नजर आएगा ऐसे में वह किसका साथ दें यह उनके लिए समस्या है। वैसे भाजपा समर्थित प्रत्यासी रनई गांव से इस बार मत अधिक प्राप्त करेगा क्योंकि उसका गांव है रनई और उसके परिवार समाज से ही ज्यादा लोग हैं गांव में जो उसे ही मतदान करेंगे यह तय नजर आ रहा है,जो जमींदार परिवार के लिए एक दिक्कत है कांग्रेस समर्थित को रनई से अच्छी बढ़त दिलाने के लिए।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में बडे पैमाने पर भ्रष्टाचार

-राजेन्द्र शर्मा -
खड़गवा,21 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर एवं कोरिया जिले के ग्रामीण इलाकों में बनाए जा रहे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कों के निर्माण में खुलेआम भ्रष्टाचार हो रहा है। क्षेत्रीय अधिकारी और ठेकेदार आपसी मिलीभगत कर कम लागत में घटिया दर्जे की सड़क निर्माण कर शासन के करोड़ो रुपए डकार रहे हैं। विभागीय अधिकारियों को लगता है कि इनकी कारगुजारियों का पता नहीं है या फिर आपसी मिली भगत कर कमीशनखोरी के चक्कर में कोई कार्रवाई अथवा जांच नहीं हो रही है। सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता और मापदंडों का कहीं भी ख्याल नहीं रखा गया है। जीएसबी लेयर का कही अता-पता नहीं है। सामग्री के इस्तेमाल में भी तय मापदंड नहीं अपनाए गए हैं। ऐसा मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर एवं कोरिया जिले के खड़गवां विकासखंड ही नहीं पूरे कोरिया जिले में विशेष कर मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के विकास खंड आदिवासी और दूरस्थ इलाके के गांवो में भी इस योजना के तहत बनी और बनाई जा रही सड़कों में व्यापक अनियमितता एवं गड़बडिया की शिकायतें हुई और मिल रही हैं। संबंधित विभाग के उच्चाधिकारी न तो निर्माण कार्यों की समय-समय पर मॉनिटरिंग करते हैं न ही वस्तु स्थिति से विभागीय अधिकारियों एवं मंत्री को अवगत कराते हैं। विभाग टेंडर जारी कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेते हैं और सारा काम निचले स्तर के अधिकारियों के भरोसे छोड दिया जाता है जिससे बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार कर ठेकेदारों को घटिया निर्माण का अवसर देते हैं। विभागीय उच्च अधिकारियों एवं मंत्री को तत्काल इस पर संज्ञान लेकर गड़बडियों की जांच करवाकर दोषी अधिकारी-ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। खड़गवां ब्लाक मे विभिन्न सड़को का निर्माण कार्य करोड़ की लागत से किया जा रहा है उसमें भी तमाम मापदंड ताक पर रखे गए हैं। गुणवत्ता का जरा भी ख्याल नहीं रखा गया है। विकासखंड में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में व्यापक भ्रष्टाचार होने की बात न सिर्फ ग्रामीण बल्कि सड़कों को देखकर भी

जीएसबी लेयर का अता-पता नहीं

धनपुर बोडेमूडा अखराडाड सडक निर्माण कार्य में ठेकेदार के द्वारा जीएसबी(मुरूम) का उपयोग नहीं किया गया बल्कि पास की मिट्टी खोदकर सड़क पर बिछाकर सड़क निर्माण कार्य किया जा रहा है जो सीधा सीधा करोड़ों रुपयों का घोटाला किया जा रहा है। क्वालिटी कंट्रोल की जांच करने वाले अधिकारीयों ने भी बिना देखें क्वालिटी कंट्रोल का मानक प्रमाण पत्र दे दिया जाता है। जो घोर भ्रष्टाचार की ओर इंगित करता है गांव की आम जनता शिकायत भी किससे करे क्योंकि विभाग के अधिकारियों ने मनमाने ढंग से शिकायतों का निपटारा बिना कार्रवाई किए स्थानीय स्तर पर कर देते हैं।

पुल पुलिया का निर्माण कार्य भी घटिया और गुणवत्ता विहीन

इस प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से बन रही सड़कों में बनाए जा रहे पुल पुलिया का निर्माण भी घटिया एवं गुणवत्ता विहीन कराया जा रहा है। पूर्व में बनी सड़कों के बनकर तैयार पुल पुलिया में कई जगहों पर दरार नजर आ रही हैं। मटेरियल की मिक्सिंग भी अत्यंत घटिया एवं गुणवत्ता विहीन उपयोग किया गया है। जिसके कारण पुल धंसकने भी लगे हैं। कई सड़कों पर पुराने पुलियों को रिपेयरिंग कर नया निर्माण कार्य भी बताया गया है। जो गुणवत्ता विहीन निर्माण सामग्री का उपयोग किया जाना के कारण पुल पुलिया निर्माण कार्य में दरार आ रही है क्या विभागीय अधिकारी इस ओर ध्यान देंगे या ढाक के तीन पतों वाली कहावत फिर इन प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना पर चरितार्थ होगी।

बिना आर एम सी प्लांट के करोड़ों रुपए की सड़क पर पुल पुलिया निर्माण कार्य धड़ल्ले से जारी

आर एम सी प्लांट के बिना करोड़ों रुपए की लागत की सड़क पर पुल पुलिया और रिटर्निंग वाले का निर्माण कार्य किया जा रहा है जबकि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से करोड़ों रुपए की राशि से सड़कों और पुल पुलिया का निर्माण कार्य हो रहा है इन निर्माण कार्यों में किसी भी मापदंडों का पालन नहीं किया जा रहा है क्या ठेकेदार को विभागीय अधिकारियों का निर्माण कार्य में संरक्षण प्राप्त है जो बिना आर एम सी प्लांट के धड़ल्ले से पुलिया का निर्माण कार्य कराया जा रहा है क्या विभागीय अधिकारी इस पर कार्यवाही करेंगे ?

न्यायालय तहसीलदार,रामानुजगंज जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज,छ0ग0

क्रमांक/225/वाचक/तह0/2024 रामानुजगंज,दिनांक- 06/02/2025
रा0प्र0क्र0 - ...../ /2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम रामानुजगंज को सूचित किया जाता है कि कलेक्टर महोदय बलरामपुर के समक्ष प्रस्तुत आवेदन जांच हेतु प्राप्त। आवेदिकागण आशा देवी पति स्व0 बिगन राम पासवान निवासी वार्ड क्रमांक-07 रामानुजगंज थाना रामानुजगंज तहसील रामानुजगंज, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज,छ0ग0 के द्वारा आवेदिकागण पिता बिगन राम पासवान कार्यालय मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत रामानुजगंज में भृत्य के पद पर कार्यरत थे। सेवाकाल में ही दिनांक 13/01/2012 को मृत्यु हो गई है। आवेदिका क्रमांक 01 के पति एवं आवेदिका क्रमांक-02 से उ05 के पिता बिगन राम पासवान की मृत्यु के पश्चात आवेदिकागण प्रथम श्रेणी का वारिशान एवं उत्तराधिकारी है। आवेदिका क्रमांक -01 के पति एवं आवेदिका क्रमांक- 02 से 05 के पिता विगन राम पासवान की अनावेदक क्रमांक-02 शाखा प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक शाखा रामानुजगंज में संचालित बचत खाता क्रमांक- 32175400922 में जमा समस्त राशि एवं उक्त राशि पर ब्याज भुगतान के संबंध में आवेदिकागण के पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र हेतु आवेदन प्राप्त हुआ है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने किसी बैध प्रतिनिधि के माध्यम से पेशी दिनांक 24/02/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/02/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

(सील)
तहसीलदार
रामानुजगंज जिला-बलरामपुर

न्यायालय तहसीलदार,रामानुजगंज जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज,छ0ग0

ईश्तहार

क्रमांक/242/वाचक/तह0/2025
रामानुजगंज,दिनांक- 17/02/2025

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम-चन्द्रनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक हारून रसीद अंसारी आ0 अब्दुल गोतलीब अंसारी निवासी ग्राम चन्द्रनगर थाना व तहसील रामानुजगंज, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज,छ0ग0 के द्वारा के पुत्र अहमद रजा अंसारी के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आय एवं संपत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

यदि उक्त जांच बिन्दु में वर्णित तथ्य के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोईदावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक- 10/03/2025 को अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त नियत समयावधि के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनां 17/02/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

(सील)
तहसीलदार
रामानुजगंज जिला-बलरामपुर

हार की खीज एल्डरमैन बनकर निकालना चाहते हैं वरिष्ठ भाजपा नेता ?, पटना नगर पंचायत में हारे हुए भाजपा प्रत्याशी का दावा,एल्डरमैन बतौर नगर पंचायत में उनका प्रवेश निश्चित:सूत्र

निर्वाचित नहीं तो मनोनीत होकर नवीन नगर पंचायत पटना में एंट्री करने की जिद क्यों ?

क्या भाजपा ऐसा निर्णय लेकर पटना के अन्य भाजपाइयों को करने वाली है निराश ?

पार्षद पद का टिकट भी लिया चुनाव भी लड़े और हारने के बाद एल्डरमैन भी बनना है,यह कैसा न्याय है,पटना के लोगों की राय ?

हारे हुए किसी पार्षद को एल्डरमैन बनाने पर पार्टी पटना में होगी कमजोर ?

हारे हुए पार्षद प्रत्याशी भाजपा नेता के कारण वैसे भी भाजपा पटना में हुई है कमजोर

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर/पटना,21 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

पटना नगर पंचायत में एक भाजपा नेता का कद काफी भारी हुआ करता था, उनके नाम का एक अलग ही वजन हुआ करता था, भाजपा संगठन में लेकिन अचानक ना जाने किसकी सलाह पर उन्होंने छोटा चुनाव लड़कर अपने कद की ग्रेविटी गिरा ली और चुनाव हार गए? नगर पंचायत पटना का चुनाव कई नेताओं का भविष्य को तापने वाला चुनाव भी माना जा रहा है, ऐसे नेता का भविष्य इस चुनाव ने ताप दिया जो कभी दिग्गज वह बड़े नेताओं में शुमार थे, सिर्फ एक पार्षद पद का चुनाव लड़ना और उसमें भी हार का सामना करना ऐसे नेता के लिए जी का जंजाल हो गया और अब वह अपनी खीज मनोनीत होकर एल्डरमैन बनकर निकालना चाह रहे हैं, पर अपनी हार की समीक्षा वह करना क्यों नहीं चाह रहे हैं यह बड़ा सवाल है? उनकी हार की समीक्षा पर यदि गौर किया जाए तो उनके एसटीडी पीसीओ से उनकी नेतागिरी होती रही और बड़े नेता यहां तक कि भाजपा के विधायक मंत्री भी वहीं तक सीमित रहते रहे

और वहीं से उन्हें बिठाकर नेताजी रवाना करते रहे, उनका कभी भी उनका जनसरोकार से वास्ता नहीं रहा यदि आज वह लोगों के बीच पहुंचते और बैठते तो शायद यह परिणाम नहीं आता और वह आज पार्षद जैसा चुनाव हारते नहीं, वैसे अब तो वह पार्षद पद का छोटा चुनाव हार गए हैं और विचारणीय यह है कि यदि यही नेता जी नगर पंचायत अध्यक्ष पटना का चुनाव लड़ते भाजपा प्रत्याशी बनकर तब क्या होता? उनका और पार्टी की तब क्या स्थिति होती? वैसे आजकल हारे हुए नेताजी नगर पंचायत में एंट्री पाने के लिए मनोनीत होकर एल्डरमैन बनने की जिद पाले हुए हैं और भाजपा नेता अपने इस मनसा में सफल हो पाएंगे या फिर अपनी पार्टी के कठोर नियमों के तहत इससे वंचित रह जाएंगे यह देखने वाली बात होगी। भाजपा एक ऐसी पार्टी है जो नियमों पर चलती है सिद्धांतों पर चलती है विचारों पर चलती है यदि वह अपने नियमों पर चलेगी तो शायद हारे हुए नेताजी को एल्डरमैन नहीं मनोनीत करेगी, क्योंकि यह उसके नियम के खिलाफ होगा?

2028 की तैयारी को लेकर आगे बढ़ेगी भाजपा या फिर पुराने पर करेगी भरोसा

भाजपा अब 2028 की तैयारी के हिसाब से आगे बढ़ेगी या फिर पुराने पर ही भरोसा करके वह पुराना परिणाम लेना चाहेगी जो आशंकाओं वाला होगा। भाजपा में नवाचार आम है और भाजपा में नए लोगों को अवसर देने की परम्परा हाल फिलहाल में और बढ़ी है ऐसे में अब देखना है कि क्या भाजपा नए लोगों को मौका देकर 2028 की तैयारी बेहतर तरीके से करती है जीत की तैयारी करती है या मठाधीशों के चक्कर में जिन्हें अब जनता भी नकारना शुरू कर चुकी है भाजपा कोरिया 2028 का विजन ही भूल जाती है नजर अंदाज या कमजोर करती है।

अब क्या बैकुंठपुर विधायक एवं भाजपा जिलाध्यक्ष ऐसे हारे हुए जनाधार विहीन लोगों के लिए एल्डरमैन पद की अनुशंसा करेंगे ?

वैसे हारे हुए पार्षद प्रत्याशियों को लेकर सभी का यही मानना है पटना में की उन्हें नगर पंचायत की इंट्री टिकट बतौर एल्डरमैन नहीं मिलनी चाहिए। नगर पंचायत अध्यक्ष निर्वाचित भाजपा पार्षदों सहित नए चेहरों को एल्डरमैन बनाने से पटना में भाजपा होगी पहले से और अधिक मजबूत-भाजपा पटना में काफी कमजोर प्रदर्शन करती रही है। भाजपा के कमजोर प्रदर्शन के पीछे की वजह थी भाजपा पटना के ही कुछ नेता जो भाजपा के प्रति नए लोगों को आकर्षित होने के पीछे कारण बनते थे क्योंकि वह और उनकी कार्यप्रणाली ऐसी थी कि उनके साथ के ही लोग भाजपा में उपेक्षित थे इसलिए नए लोगों को भी पार्टी से जुड़ने में यह आशंका होती थी कि जब पीछे के ही लोगों का कुछ न हो सका कुछ लोगों के कारण तो उनका जुड़ना बेकार है। अब भाजपा के ऐसे नेता चुनाव हार गए हैं वह भी पार्षद का जो उनके लिए एक चेतावनी है कि वह अब भी लोगों की भावना समझे वहीं भाजपा के लिए भी पटना को लेकर मौका है कि वह नगर पंचायत अध्यक्ष नए निर्वाचित पार्षदों और पार्टी विचारधारा से जुड़े नए लोगों को ही लेकर एल्डरमैन की नियुक्ति करें जिससे पटना के नव युवकों को खासकर यह आभास हो की भाजपा में जमीन से भी व्यक्ति खास बन सकता है...हमेशा खास ही खास बना रहने वाला नहीं है यहां।

क्या एक नेताजी के लिए पार्टी नियमों से समझौता करेगी ?

वहीं यदि वह हारे हुए एक नेताजी के लिए नियमों से समझौता करेगी तो फिर पार्टी को सभी हारे हुए पार्षद प्रत्याशियों को एल्डरमैन बनाना पड़ेगा क्योंकि नियम किसी एक के लिए नया बनाने की बजाए सभी को समान नजरिए से देखना भाजपा की परम्परा रही है। वैसे नगर पंचायत पटना का चुनाव कई मायने में भाजपा के लिए एक सीख भी साबित हुआ। जो भाजपा आरम्भ से ही पटना चुनाव में अध्यक्ष पद के हिसाब से बाहर थी वह भाजपा आज अपने दम पर केवल प्रत्याशी चयन के कारण अध्यक्ष पद के साथ पटना नगर पंचायत पर काबिज हो चुकी है वहीं जिन भाजपा नेताओं के कारण भाजपा पटना में जनाधार विहीन होती जा रही थी उनको भी जनता ने नव गठित नगर पंचायत में प्रवेश का मौका नहीं दिया और वह छोटा सा नगर पंचायत चुनाव वह भी पार्षद पद का चुनाव हार गए। वैसे तो पार्षद जैसा चुनाव हारने वाले नेताजी को एल्डरमैन का पद स्वीकार ही नहीं करना चाहिए क्योंकि एल्डरमैन का मनोनयन एक सांत्वना होती है और वह उन्हें प्रदान की जाती है जो पार्टी से चुनाव में टिकट की जिद नहीं करते पार्टी निर्देश पर चुनाव में दिल लगाकर काम करते हैं,प्रत्याशियों को जीत दिलाने का काम करते हैं और दिनरात की मेहनत उपरांत जब नगर सरकार का निर्वाचन पार्टी की मंशा अनुरूप होता है तब ऐसे कार्यकर्ताओं को पुरस्कार स्वरुप यह पद दिया जाता है। यह पद मठाधीशों और जानधार विहीन साबित हो चुके हारे हुए पार्षद पद के प्रत्याशियों के लिए नहीं होता यह सभी जानते हैं फिर भी नेताजी की जिद है। वैसे नेताजी ऐसे भी एक मनोनयन लेकर बैठे हैं जो उन्हें कई महीने पहले एक समिति का मुखिया बनाता है और एक ही व्यक्ति जनाधार विहीन व्यक्ति दो दो मनोनयन तभी पा सकता है तभी वह इसका अधिकारी हो सकता है जब कोई नगर एक ही नेताजी के हिसाब से चलता हो या पार्टी के पास नगर में कोई अन्य अदना सा भी मेहनती कार्यकर्ता न हो। भाजपा वैसे तो नेताजी का यह शौक या जिद शायद ही पूरी करे लेकिन यदि ऐसा होता है तो फिर सभी हारे पार्षद पद के प्रत्याशियों को एल्डरमैन बनाना होगा तभी भाजपा न्यायप्रिय नजर आएगी।

बैकुंठपुर विधायक एवं भाजपा जिलाध्यक्ष क्या पुनः हारे हुए पार्षद प्रत्याशी के लिए एल्डरमैन पद की करेंगे अनुशंसा ?

भाजपा के 15 पार्षद प्रत्याशियों में से 10 चुनाव हार गए हैं। हारे हुए 10 लोगों में से एक दो भाजपा के बड़े चेहरे हैं जो भाजपा पटना के खुद को मठाधीश भी समझते हैं और जिनकी वजह से भाजपा पटना में लगातार कमजोर भी हुई है क्योंकि इन्होंने अपने आगे किसी को कभी जाने का मौका नहीं दिया जिस वजह से भाजपा की टीम पटना में सिमटती गई। अब हारे हुए मठाधीश नगर पंचायत में एल्डरमैन बनकर जाना चाहते हैं जबकि जनता ने उन्हें जनादेश अनुसार इसकी इजाजत नहीं दी है।

एल्डरमैन को लेकर भी युवाओं पर भरोसा करेगी भाजपा...संगठन चुनाव की तरह ही उम्र की होगी बाध्यता ?

भाजपा ने मंडल से लेकर जिलाध्यक्ष के चुनाव में उम्र की बाध्यता तय कर दी है और इस बार युवाओं को मौका मिला है इस कारण संगठन के पदों में । अब क्या भाजपा एल्डरमैन के लिए उम्र की बाध्यता तय करने वाली है । क्या युवाओं को अधिक संख्या में एल्डरमैन बनाया जाएगा निकायों में। वैसे भाजपा यदि ऐसा करती है तो उसे फायदा ही होगा क्योंकि युवाओं का भरोसा भाजपा की तरफ बढ़ेगा और युवाओं को भाजपा में भविष्य अपना नजर आएगा। पटना जैसे जगहों की बात की जाए तो यहां मठाधीशों के कारण युवाओं का भाजपा की तरफ रुख नहीं होता था जो यदि एल्डरमैन चयन में युवाओं को मौका मिला तो युवा भाजपा की तरफ आशान्वित होकर आयेंगे।

कैसे कर रहा है निर्वाचन आयोग काम,क्यों षड्यंत्र का लग रहा उसके ऊपर आरोप ?

घोषणा हुई जीत की प्रमाण-पत्र में मिली हार, भाजपा सरकार में ऐसे ही चलेगा चुनाव ?

सूरजपुर त्रिस्तरीय चुनावः भाजपा में कलह,निर्दलीय प्रत्याशी ने लगाया षड्यंत्र का आरोप

भाजपा ईवीएम से ही जीत सकती है चुनाव बैलेट पेपर से नहीं:कांग्रेस

गणनापत्रक जीते हुए प्रत्याशी को मिला जिसमें वह 19 वोटो से जीत गए थे पर जीत का प्रमाण-पत्र हारे हुए प्रत्याशी को थमा दिया गया

कैबिनेट मंत्री पर धोखाधड़ी से भाजपा समर्थित प्रत्याशी को जितवाने का आरोप

-ओंकार पाण्डेय-
सूरजपुर,21 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

वर्तमान भाजपा सरकार में एक बार फिर ईवीएम को लेकर सवाल उठने लगे हैं जहां ईवीएम से भाजपा ने पूरे नगरीय निकाय चुनाव को जीत लिया वहीं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में करारी हार मिल रही है,जो बैलेट का चुनाव है बैलेट से हो रहे चुनाव में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों को जीत मिल रही है, कुछ ऐसा ही हाल मुख्यमंत्री के क्षेत्र में भी देखने को मिला और बाकी जिले में भी ऐसा ही देखने को मिल रहा है जिला पंचायत चुनाव में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों को ही जीत मिल रही है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान सूरजपुर जिले का एक ऐसा मामला सामने आया है जो सभी को चौंकाने वाला है जहां एक भाजपा समर्थित प्रत्याशी को जीत दिलाने के लिए भाजपा से बगावत कर चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी की जीत की घोषणा को हार में बदला गया ऐसा आरोप लगा है, आरोप के अनुसार पहले मतगणना का जो गणनापत्रक मिला वह स्वतंत्र बिना समर्थन लड़ रहे प्रत्याशी को जीत बताते हुए जारी हुआ लेकिन जब दूसरे दिन प्रमाण पत्र जारी हुआ उसे हार का प्रमाण पत्र मिला, जिसके बाद पूरा मामला आरोप प्रत्यारोप का शुरू हो गया। हारे हुए भाजपा गैर समर्थित प्रत्याशी का आरोप है कि उसे हराने के लिए षड्यंत्र का सहारा लेना पड़ा है, जीत की घोषणा हुई उसकी और जीत का

प्रमाण मिला भाजपा समर्थित प्रत्याशी को जो कई मामले में षड्यंत्र की बात को साबित करता है, सूरजपुर में हाल ही में संपन्न हुए त्रिस्तरीय चुनावों के नतीजों ने भाजपा की अंदरूनी कलह को उजागर कर दिया है। भाजपा समर्थित जिला पंचायत उम्मीदवारों की हार के बीच, स्वतंत्र बिना समर्थन चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी गिरिश कुमार ने चुनाव परिणाम में धांधली का आरोप लगाते हुए अपनी ही सरकार और प्रशासन पर निशाना साधा है।

आपको बता दें कि गिरीश कुमार, जो जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 8 से बिना किसी दलीय समर्थन के चुनाव लड़ रहे थे और जिनका चुनाव चिन्ह पतंग था, उन्होंने दावा किया कि उन्हें चुनाव जीतने के बाद षड्यंत्रपूर्वक हराया गया। पहले चरण के मतगणना के बाद उन्हें 19 मतों से विजयी घोषित किया गया था, लेकिन 20 फरवरी को जिला पंचायत में हुई पुनः गणना में उन्हें 32 मतों से हारा हुआ बताया गया। गिरीश कुमार और उनके समर्थकों का आरोप है कि कुछ बड़े नेताओं और अधिकारियों के दबाव में गलत मतगणना कर उन्हें हराने की साजिश रची गई। इसको लेकर जिला पंचायत कार्यालय में भारी हंगामा हुआ और स्थानीय लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान विरोध में पूरा बाजार भी बंद रहा। गिरीश कुमार मीडिया के सामने भावुक होकर रोते नजर आए और न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की बात कही। पर सवाल यह उठता है कि आखिर जब निर्वाचन प्रक्रिया निष्पक्ष है तो फिर ऐसी घटनाएं क्यों हो रही है क्या सत्ता के दबाव में अधिकारी काम कर रहे हैं निष्पक्षता अब बची नहीं ऐसे में तो चुनाव करना या ना करना एक बराबर जैसी है यह भी लोग कहते सुने जा रहे हैं।जहां लोकतंत्र ने जनता को अपना प्रतिनिधित्व चुनने के लिए चुनाव का निर्णय लिया था आज वही चुनाव सवालों के घेरे में है आज पूरी निर्वाचन प्रक्रिया पर एक बार फिर सवाल उठ खड़ा हुआ है जहां सत्ता होती है वहां क्या धांधली ही चुनाव में देखी जाती है क्या प्रशासनिक अधिकारी सत्ता के दबाव में निष्पक्ष चुनाव से डर जाते हैं या फिर उन्हें तबादला का डर सत्तापक्ष के फेवर में परिणाम देने के लिए मजबूर करता है? बाकी चुनाव से पीड़ित व्यक्ति के लिए सिर्फ अब न्यायालय ही एक सहारा है वहां पर भी उसे पक्ष में परिणाम आने में 5 साल लग जाएंगे तब तक फिर से अगला चुनाव आ जाएगा।

फूलों की होली में सराबोर हुए दो प्रदेशों के द्वय मंत्री...भागवत कथा के समापन अवसर पर आयोजित थी फूलों की होली

यदुवंश के नाश का मूल कारण नशा था:कथा वाचक

-रवि सिंह-
एमसीबी/चिरमिरी,21 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

ये वही ब्राह्मण है जिसने तुम्हारे विवाह का प्रस्ताव मेरे पास लेकर आया था तभी मैं आपको वरण कर पाया, उक्त बाते कथा वाचक मृदुल कृष्ण शास्त्री द्वारा भागवत कथा के ब्रम्हज्ञानी सुदामा जी द्वारा अपने परम श्रद्धेय द्वारकाधीश भगवान कृष्ण सखा से उनके मिलने के प्रसंग पर कही। सुदामा जी की पत्नी

के बार बार कहने पर सुदामा जी जब फटे पुराने धोती को पहने द्वारिकानगरी पहुंचे और द्वारपाल से कहा कि कन्हैया को जाकर कह दो कि तुम्हारे दर पर गरीब ब्राह्मण सुदामा मिलने आया है। द्वारपाल का संदेश पाते ही भगवान के चेहरे में अपने भक्त, सखा से मिलने को लेकर जो उतावला पन था उस भाव को बताते हुए भजनों की श्रृंखला से भक्त और भगवान के इस प्रेम में पूरा वातावण भक्ति रस में डूब गया। कथा स्थल में मौजूद भक्त खुद को रोक नहीं पाए और राधा रानी की जयकार से कथा स्थल गुंजायमान हो गया।

फूलों की होली में भक्त,भगवान समेत द्वय मंत्री हुए सराबोर

सात दिनों से चिरमिरी के गोदरीपारा में अप्रवासी भारतीय चंद्रकांत पटेल एवं श्रीमद भागवत सेवा समिति द्वारा आयोजित भागवत कथा के अंतिम और समापन अवसर पर भक्त और भगवान के बीच फूलों की होली का आयोजन किया गया। भगवान के भजनों की भक्ति रस संचार के बीच राधा रानी का जयघोष गूंजता रहा, भक्त और भगवान फूलों की होली में झूमते रहे इसी बीच दो प्रदेश के मंत्री में छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और मध्यप्रदेश से कथा में शामिल हुए कुटीर एवं ग्रामीण उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल भी जमकर फूलों की होली खेली। द्वय मंत्री के साथ स्वास्थ्य मंत्री की पत्नी श्रीमती कांति जायसवाल, आचार्य मिथलेश महराज, भाजपा जिलाध्यक्ष चंपा देवी पावले, चिरमिरी नगर निगम के निर्वाचित महापौर राम नरेश राय, मध्यप्रदेश में अनूपपुर जिले के भाजपा पूर्व महामंत्री प्रेमचंद यादव भी मौजूद रहे। कथा को विश्राम देते हुए आचार्य मृदुल कृष्ण शास्त्री ने भगवान के सच्चे भक्त होने का संदेश दिया, इस संदेश में परोपकार, जगत का कल्याण और मानव जीवन के उद्धार का बोध था। आचार्य जी ने कथा के समाप्ति की घोषणा करते हुए कथा का श्रवण कर रहे भक्तों से दक्षिणा स्वरूप जो मांग की वह उपस्थित भक्तों में भक्ति रस का संचार करने और सतमार्ग में चलने का उपदेश रहा। श्री आचार्य ने दक्षिणा में सभी भक्तों को उनके दुर्गुण विचार, बुराइयों को अपनी झोली में डालने का आह्वान कर भगवान की असीम कृपा पाने का आशीर्वाद दिया और फिर से एक बार चिरमिरी की धरती में भगवान की कथा का वाचन करने का न्योता स्वीकार किए।

श्रीमद्भागवत में भगवान ने किया है विश्राम

चिरमिरी की धरती में तीसरी बार कथा का वाचन कर रहे प्रख्यात आचार्य मृदुल कृष्ण शास्त्री ने भगवान के विश्राम के प्रसंग को सुनाते हुए कहा कि ठाकुर जी अलग अलग समय में कई जगह विश्राम किए है, कभी छीर सागर तो कभी बैकुंठ तो कभी मृत्युलोक लेकिन भगवान भगवत में कहते है उनका अंतिम विश्राम श्रीमदभागवत में है। श्रीमद भागवत कथा का श्रवण करने वाला बैकुंठ को प्राप्त करता है, श्री आचार्य ने कहा कि आप जीवन में दो बातों को अवश्य लागू करे, एक राम कृष्ण का नाम क्योंकि इससे बड़ा चीज जग में कुछ नहीं है। आपके द्वारा राम का नाम ही आप पर आने वाली विपदा को समाप्त कर देगा, आपके जीवन से बुराइयां धीरे धीरे खत्म होने लगेगी, आपका जीवन आध्यात्म की ओर बढ़ेगा और आप सतमार्ग पर चलने लगेगे। घर परिवार में सुख समृद्धि का संचार होगा।

श्री आचार्य ने यदु वंश के नाश का मूल कारण नशा को बताया

श्री आचार्य ने कथा के प्रसंग में यदु वंश के नाश का मूल कारण नशा को बताया, उन्होंने कथा के प्रसंग में कहा कि भागवत में है कि माह में दो पक्ष आते है कृष्ण और शुक्ल, जो 15 दिनों में कभी 14, 15 तो कभी 16 का होता है लेकिन जब 13 दिनों का पक्ष आया तब भगवान समझ गए कि अब गड़बड़ होने वाला है। भगवान सभी यदु वंश को लेकर एक स्थान पर गए, स्नान कराया और इस पक्ष के गुजर जाने और यदु वंश को बचाने की कोशिश की लेकिन पवित्र होते हुए भी घाट पर ही यदु शराब के सेवन कर जुआ खेलने में मस्त हो गए, परिस्थितियों अनुकूल नहीं रही, आपस में ही मार काट झगड़ा चालू हो गया, बलराम जी इस मंजर को देख नहीं पाए और समाधी ले ली किंतु भगवान सब कुछ देखते रहे, काल का विपरीत प्रभाव इसलिए हावी हुआ क्योंकि शराब सबके हलक से नीचे जा चुका था, सतमार्ग से सभी विभूख हो चुके थे, आपस का प्रेम विद्रोह में बदल गया था और यही यदु वंश के नाश का कारण बना इसलिए मदिरा का सेवन करने से बचे, भगवान ने भागवत में इसका उल्लेख कर मानव जीवन को संकेत देने का काम किए है और इसे हमे अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है।

संक्षिप्त खेल खबर

साउथ अफ्रीका ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले चुनी बल्लेबाजी

हेनरिक क्लासेन हुए बाहर

कराची,21 फरवरी 2025।साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने अफगानिस्तान के खिलाफ करांची के नेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। दोनों की टीमों का मौजूदा एडिशन में पहला मुकाबला है। हेनरिक क्लासेन साउथ अफ्रीका की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं है। हालांकि इसे लेकर किसी वजह का खुलासा नहीं हुआ है।

टीमें इस प्रकार है...

साउथ अफ्रीका (प्लेइंग इलेवन) रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), टोनी डी जोर्जी, टेम्बा बावुमा (कप्तान), रासी वैन डेर डुसेन, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, मार्को यान्सेन, केशव महाराज, कागिसो रबाडा, लुंगी एंगिडी।

अफगानिस्तान (प्लेइंग इलेवन) रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), अजमतुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नायब, मोहम्मद नबी, राशिद खान, फजलहक फारूकी, नूर अहमद।

शमी जब भी आईसीसी टूर्नामेंट में खेलते हैं तो अलग गेंदबाज बन जाते हैं: पीयूष चावला

दुबई,21 फरवरी 2025। भारत के पूर्व स्पिनर पीयूष चावला ने मोहम्मद शमी की आईसीसी टूर्नामेंटों में प्रभावशाली वापसी की सराहना की। उनके प्रदर्शन के दम पर मेन इन ब्लू टीम की बांग्लादेश पर चैंपियंस ट्रॉफी गेम में शानदार जीत हुई। चावला ने कहा कि जब भी शमी आईसीसी टूर्नामेंट में खेलते हैं, तो वह एक अलग गेंदबाज बन जाते हैं।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैण्ड टकराएंगे आज

वनडे फॉर्मेट में कैसा है दोनों टीमों का हेड टू हेड रिकॉर्ड किसका पलड़ा है भारी

लाहौर,21 फरवरी 2025। चैंपियंस ट्रॉफी में 22 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीमें आमने-सामने होंगी। यह मैच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाएगा। जब भी ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच कोई मैच खेला जाता है, फैंस के बीच इसको लेकर उत्साह चरम पर होता है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 161 वनडे मैच खेले गए हैं और वहां अब तक कंगारुओं का दबदबा देखने को मिला है।

ऑस्ट्रेलिया का रहा है दबदबा

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए अब तक 161 वनडे मैच में 91 बार कंगारुओं को जीत मिली है। वहीं 65 मौकों पर इंग्लैंड ने बाजी मारी है। वहीं चैंपियंस ट्रॉफी में दोनों टीमें अब तक पांच बार आमने-सामने हुई हैं, जिसमें से तीन मैचों में इंग्लैंड को जीत नसीब हुई है, वहीं दो बार ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली है। इन आंके ों को देखने के बाद यह कहा जा सकता है कि, वनडे में इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का दबदबा है।

पिछले पांच मैच की बात करें तो वहां भी ऑस्ट्रेलिया ने डोमिनेट किया है। दोनों टीमों के बीच खेले गए पिछले 5 मैचों में से ऑस्ट्रेलिया ने 3 जीते हैं जबकि इंग्लिश टीम को 2 में जीत मिली है। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए पिछले 10 वनडे मैचों में से आठ जीते हैं। इस फॉर्मेट में पूरी तरह से ऑस्ट्रेलिया का दबदबा है।

ऑस्ट्रेलिया-इंगलैण्डः-दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग इलेवन

ऑस्ट्रेलियाः एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, सीन एबॉट, स्टीव स्मिथ (कप्तान), आरोन हार्डी, ट्रेविस हेड, जॉश इंग्लिस (विकेटकीपर), ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, एडम जम्पा और स्पेंसर जॉनसन

इंग्लैंडः जॉस बटलर (कप्तान और विकेटकीपर), फिल सॉल्ट, जो रूट, हैरी ब्रूक, लियाम लिविंगस्टोन, ब्रायडन कार्स, बेन डकेट जेमी ओवर्टन, आदिल रशीद, जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड

भारत और पाकिस्तान भिड़ेंगे कल

- रोहित शर्मा एक रन बनाते ही रचेंगे इतिहास
- सचिन-गांगुली के साथ बनेंगे इस स्पेशल क्लब का हिस्सा

दुबई,21 फरवरी 2025। भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में होने वाले ग्रूप-ए के तीसरे मुकाबले का इंतजार सभी क्रिकेट फैंस काफी बेसब्री के साथ कर रहे हैं। दोनों टीमों के बीच ये मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसमें टीम इंडिया की नजरें इस मुकाबले को भी जीतकर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी राह को आसान करना होगा। हालांकि पिछली बार जब भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में मुकाबला खेला था तो उन्हें एकतरफा हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में एकबार फिर से सभी की नजरें भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा पर रहेंगी जो अपनी बल्लेबाजी से पूरे मैच का रुख टीम इंडिया की तरफ आसानी से कर सकते हैं। वहीं रोहित के पास अपने वनडे करियर में एक बड़ा मुकाम भी हासिल करने का मौका होगा जिसके लिए उन्हें सिर्फ एक रन ही बनाना है।

सचिन और गांगुली के स्पेशल क्लब का हिस्सा बनेंगे रोहित

वनडे में भारत के लिए अब तक सबसे ज्यादा ओपनिंग बल्लेबाज के तौर पर रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम पर है जिन्होंने 344 मैचों में 15310 रन बनाए हैं, वहीं इसके बाद दूसरे नंबर पर उनके साथ लंबे समय तक ओपनिंग करने वाले सौरव गांगुली का नाम है जो 9146 रन इस पोजीशन पर बनाने में कामयाब हो सके थे। इस लिस्ट में अभी तीसरे नंबर पर रोहित शर्मा का नाम है जिनको अब तक 182 वनडे मैचों में ओपनिंग करने की जिम्मेदारी मिली है और वह 8999 रन बनाने में कामयाब हो सके हैं। रोहित यदि पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले इस मुकाबले में एक रन बनाने में कामयाब होते हैं तो वह वनडे में भारत की तरफ से बतौर ओपनिंग बल्लेबाज 9000 रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन जाएंगे।

पाकिस्तान के खिलाफ जमकर बोलता है रोहित का बल्ला

रोहित शर्मा का पाकिस्तान के खिलाफ वनडे फॉर्मेट में रिकॉर्ड देखा जाए तो वह जमकर बोलता हुआ दिखाई दिया है, जिसमें उन्होंने अब तक पाकिस्तान के खिलाफ खेले 19 वनडे मैचों में 51.35 के औसत से 873 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतकीय और 8 अर्धशतकीय पारियां भी देखने को मिली हैं। रोहित शर्मा का पाकिस्तान के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ स्कोर 140 रनों का है। वहीं स्ट्राइक रेट भी 92.38 का रहा है।

जीत के बाद प्वाईंट्स टेबल में भारत की स्थिति

दुबई,21 फरवरी 2025। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत ने अपना पहला मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ खेला जिसे उसने 6 विकेट से जीत लिया। इससे पहले पाकिस्तान और न्यूजीलैंड मैच से टूर्नामेंट का आगाज हुआ था। फिलहाल, अभी तक ग्रूप ए की टीमों के बीच मुकाबले हुए। साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान के अलावा ग्रूप-बी में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड है। जबकि ग्रूप-ए में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड है। इस समय पॉइंट्स टेबल में कौन सी टीमें कहां हैं? रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम की बांग्लादेश के खिलाफ जीत के बाद पॉइंट्स टेबल कितना बदला है? दरअसल, भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ धमाकेदार जीत के बावजूद पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है। वहीं टॉम लेथम की अगुवआई वाली न्यूजीलैंड टॉप पर काबिज है। हालांकि, भारत और न्यूजीलैंड के बराबर 2-2 पॉइंट्स हैं, लेकिन कीवी टीम का नेट रन रेट न्यूजीलैंड से बेहतर है। न्यूजीलैंड का नेट रन रेट +1.200 है, जबकि भारत का नेट रन रेट +0.0408 हैं। वहीं इस ग्रूप में बांग्लादेश की टीम पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर काबिज है। जबकि मोहम्मद रिजवान की कप्तानी वाली पाकिस्तान पॉइंट्स टेबल में चौथे नंबर पर है। बहरहाल, आज ग्रूप-बी की 2 टीमें आमने-सामने होंगी। जबकि शनिवार को ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का आमना-सामना होगा। बताते चलें कि इस टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें खेल रही हैं। इन 8 टीमों को 2 ग्रूपों में बांटा गया है। भारत के अलावा पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश को ग्रूप-ए में रखा गया है। जबकि साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान के अलावा ग्रूप-बी में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड है।

रणजी ट्रॉफी में भी मचा कन्कशन को लेकर बवाल

रवि बिश्नोई की जगह मैदान पर उतरा ऑलराउंडर

नई दिल्ली,21 फरवरी 2025। कुछ समय पहले भारत और इंग्लैंड के बीच खेली गई टी20 सीरीज के दौरान कन्कशन का मुद्दा काफी चर्चा में था। इसके कुछ लोगों ने सही बताया था तो इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने इसकी आलोचना की थी। वहीं अब भारतीय घरेलू क्रिकेट में भी कन्कशन के मुद्दे पर बवाल मच गया है। दरअसल,केरल और गुजरात के बीच रणजी ट्रॉफी का पहला सेमीफाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में रवि बिश्नोई के कन्कशन रिप्लेसमेंट को लेकर बवाल मचा।

केएल राहुल को मिला पहला बेस्ट फील्डर का मेडल

दुबई,21 फरवरी 2025। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में टीम इंडिया का विजयी आगाज रहा। बांग्लादेश को पहले मुकाबले में 6 विकेट से हराया। भारत की जीत में मोहम्मद शमी के साथ शुभमन गिल का भी अहम योगदान रहा। शमी ने जहां 5 विकेट हॉल लेकर गेंदबाजी में कहर बरपाया, वहीं बल्ले से गिल ने कमाल दिखाया और अपने वनडे करियर का 8वां शतक जड़ा। बांग्लादेश ने भारत के सामने 229 रनों का टारगेट रखा था, जिसे टीम इंडिया ने 47वें ओवर में ही चेज कर लिया। मैच के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम में बेस्ट फील्डर के लिए मेडेल सेरेमनी हुई जिसमें विराट कोहली, शुभमन गिल और केएल राहुल के नाम शॉर्टलिस्ट हुए। शुभमन गिल ने स्लिप में मेहदी हसन मिराज का शानदार कैच लपका, वहीं विराट कोहली ने भी दो लाजवाब कैच पकड़ अपना योगदान दिया।हालांकि, इन दोनों को पछाड़ते हुए केएल राहुल ने चैंपियंस ट्रॉफी में पहला बेस्ट फील्डर का मेडल अपने नाम किया। राहुलने शानदार विकेट कीपिंग के साथ कुल तीन कैच लपके, जिसका उन्हें मेडल के रूप में ईनाम मिला।

आईपीएल 2025 से पहले मुंबई इंडियंस ने लॉन्च की नई जर्सी

नई दिल्ली,21 फरवरी 2025। आईपीएल2025 की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है। सीजन का पहला मैच का कोलकाता नाईट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स के बीच ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। इसी बीच सीजन के शुरू होने से पहले मुंबई इंडियंस ने अपनी जर्सी लॉन्च कर दी है। इसी के साथ कप्तान हार्दिक पांड्या ने फैंस को एक इमोशनल मैसेज भी भेजा है। पांड्या ने टीम के कोर खिलाड़ी रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा के साथ मिलकर फ्रेंचाइजी की विरासत को आगे बढ़ाने की बात कही।

डांस सिखाते-सिखाते डॉक्टर को हुआ क्रिकेटर से इश्क

शादी के चार साल बाद ही तार-तार हुआ प्यार

प्यार में पड़ना, शादी करना और फिर कुछ सालों में अलग हो जाना, ये आपको भी हैरान करता होगा। आज हम एक ऐसे ही कपल की बात करेंगे, जिसे 5 साल के भीतर ही प्यार हुआ, शादी की और अब अलगाव चर्चाए हैं। एक कपल ऐसा था जिसकी शादी की खबरों ने सोशल मीडिया पर बाढ़ ला दी थी। दोनों की रील्स आए दिन वायरल होती रहती थीं। इन्हें देखकर हर कोई यही कहता था- प्यार हो तो ऐसा! हर ट्रोल की बोलती बंद कर के इस कपल ने शादी की थी, लेकिन अब इनके तलाक की खबरों ने सोशल मीडिया पर हलचल पैदा कर दी है। ये कपल कोई और नहीं बल्कि युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा हैं।

डाक्टर से बनीं कोरियोग्राफर

युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा की लव स्टोरी कोविड 19 लॉकडाउन के दौरान परवान चढ़ी। फिर दोनों का प्यार इस कदर बढ़ा की कपल ने शादी कर ली। लॉकडाउन के दौरान डांस सीखने से युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा की दोस्ती की शुरुआत हुई थी। कुछ वक्त की डेटिंग के बाद दोनों ने दिसंबर 2020 में शादी की। आप सोच रहे होंगे कि युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा कैसे मिले, प्यार का ऐलान कैसे हुआ और मामला शादी तक कैसे पहुंचा। दरअसल 2019 में दोनों की मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए ही हुई। धनश्री वर्मा एक प्रशिक्षित डॉक्टर थीं, जो बाद में कोरियोग्राफर बन गईं। कोरियोग्राफर बनने के बाद वो अपने डांस वीडियो भी सोशल मीडिया पर पोस्ट करने लगीं और कोविड के दौर में वायरल गर्ल बन गईं।

इस तरह शुरू हुई लव स्टोरी

युजवेंद्र चहल की नजर भी उनके सोशल मीडिया पर वायरल होने

वाले डांस वीडियोज पर पड़ी और वो इससे काफी प्रभावित हुए। धनश्री वर्मा की खूबसूरती पर युजवेंद्र चहल अपना दिल हार बैठे। फिर क्या था उन्होंने धनश्री वर्मा से नजदीकियां बढ़ाने की ठानी और तय कि वो उनसे डांस सीखेंगे। युजवेंद्र चहल ने डांस सीखने के लिए धनश्री से संपर्क किया, जिसके बाद वह उन्हें दो महीने तक डांस सिखाने के लिए राजी हो गईं। इस दौरान युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा एक टीचर और स्टूडेंट की तरह जुड़े रहे। धनश्री, युजवेंद्र को डांस से जुड़े टास्क देती थीं, जिसो वो पूरा भी करते थे। यहां तक की वो घर पर भी डांस प्राक्टिस करे धनश्री वर्मा के पास पहुंचते थे।

शादी तक पहुंचा मामला

डांस की ट्रेनिंग खत्म होने के बाद युजवेंद्र चहल ने धनश्री वर्मा को प्रपोज किया और दोनों के बीच डेटिंग शुरू हो गई। दोनों एक दूसरे से मिलने लगे। फिर दोनों इस रिश्ते को एक कदम और आगे ले जाने की सोची और परिवारों की रजामंदी से 11 दिसंबर 2020 में गुड़गांव में एक निजी समारोह में शादी की। उन्होंने अपनी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। शादी के बाद दोनों ही हैप्पी कपल थे। अक्सर दोनों अपनी तस्वीरें पोस्ट किया करते थे। इसके अलावा दोनों साफ में अच्छा वक्त भी बिताते थे, लेकिन इसी बीच अब दोनों के अलगाव की खबरों ने इनके चाहने वालों को निराश कर दिया है। बीते कई दिनों से इनके अलगाव की खबरें मीडिया में बनी हुई हैं।

शुरू हुई अलगाव की चर्चा

बता दें, युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा की शादी में बिखराव की चर्चाएं कुछ महीने पहले ही शुरू हुईं, जब दोनों ने एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया था। इसके साथ ही साथ की सारी तस्वीरें भी सोशल मीडिया से हटा दीं। इसके बाद चर्चाएं और गंभीर हो गईं जब धनश्री ने चहल सरनेम अपने सोशल मीडिया हैंडल से हटा दिया। बीते दिनों दोनों ही लगातार क्रिप्टिक पोस्ट साझा कर रहे हैं और एक दूसरे के साथ नजर भी नहीं आ रहे हैं। खबरें हैं कि एक साल से ज्यादा वक्त से दोनों साथ नहीं रहे। दिवाली और नए साल के सेलिब्रेशन भी दोनों ने अलग-अलग ही किए। अब खबरें हैं कि दोनों का तलाक तय हो चुका है।

शमा सिकंदर ने हॉटनेस से सोशल मीडिया पर बरपाया कहर

एक्ट्रेस की अदाओं पर दिल हार गए फैंस

टीवी एक्ट्रेस शमा सिकंदर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। उनका बोल्ड और कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस शमा सिकंदर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर और हॉट लुक देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस शमा सिकंदर हमेशा अपने लुक्स से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें साझा की हैं।इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।शमा सिकंदर की लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने व्हाइट कलर का फर लुक में स्वेटर पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस शमा सिकंदर ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट करने के लिए कानों में इयररिंग्स, खुले बाल और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।शमा सिकंदर की इन फोटोज पर एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मट हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है-बोल्ड एंड ब्यूटिफुल। तीसरे यूजर ने लिखा है-हॉट एंड सेक्सी। बता दें कि शमा सिकंदर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। उनका हर एक अंदाज इंस्टाग्राम पर आते ही बवाल मचाने लगता है।

CMYK

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

सीएम विष्णुदेव साय ने अपने जन्मदिन पर मां के चरण छूकर लिया आशीर्वाद

रायपुर,21 फरवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज अपना जन्मदिन धूमधाम से मना रहे हैं। इस खास मौके पर उन्होंने

अपनी पूज्य माता जी के चरण छूकर आशीर्वाद लिया और सोशल मीडिया पर एक भावपूर्ण संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा, मां द्वारे की तुलसी जैसी, मां बरगद की छाया-सी, मां कविता की सौम्य पंक्तियां, महाकाव्य की काया-सी, जन्मदिन पर गृहग्राम बगिया में सपत्नीक,पूज्य माता जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

सुप्रीम कोर्ट से पूर्व महाधिवक्ता सतीशचंद्र वर्मा को मिली राहत

रायपुर,21 फरवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के पूर्व महाधिवक्ता सतीशचंद्र वर्मा को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम राहत मिली है। स्पेशल लीव पिटिशन (पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 28 फरवरी को होगी।

हिंसा में शामिल 112 आरोपियों को एचसी ने दी जमानत

बिलासपुर,21 फरवरी 2025(ए)। बलौदाबाजार हिंसा मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सतनामी समाज के 112 युवाओं को बड़ी राहत दी है। जस्टिस एन.के. व्यास की सिंगल बेंच ने सुनवाई करते हुए इन सभी आरोपियों को जमानत दे दी है। इससे पहले इस मामले में 60 से अधिक आरोपी जमानत पर रिहा हो चुके हैं, लेकिन कई आरोपी अब भी सेंट्रल जेल में बंद हैं। वहीं गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने भी इसी मामले में जेल में बंद कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव को राहत देते हुए जमानत दी है।

6 महीने बाद जेल से बाहर आए देवेंद्र यादव

हाईकोर्ट ने 27 युवाओं को दी जमानत

रायपुर,21 फरवरी 2025(ए)। बलौदाबाजार हिंसा मामले में कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव को छह महीने बाद जेल से रिहाई मिल गई। सुप्रीम कोर्ट से 20 फरवरी को जमानत मिलने के बाद वे रायपुर सेंट्रल जेल से बाहर आए। इस दौरान समर्थकों की भारी भीड़ है। बलौदाबाजार आगजनी कांड में हाईकोर्ट ने आज सतनामी समाज के 27 युवाओं को जमानत देने की मंजूरी दी है।

आईईडी ब्लास्ट से डीआरजी जवान घायल

नारायणपुर,21 फरवरी 2025(ए)। नारायणपुर जिले में आज एक आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) ब्लास्ट की घटना हुई, जिसमें डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) का एक जवान घायल हो गया। घटना तोयमेटा और कवानार के बीच जंगल में हुई, जहां जवान आरओपी (रोड ओपनिंग पार्टी) ड्यूटी पर तैनात थे।

टॉयलेट में ब्लास्ट होने से स्कूल में मचा हड़कंप,छात्रा हुई घायल

बिलासपुर,21 फरवरी 2025(ए)। बिलासपुर के सेंट पलोटी स्कूल में सोडियम ब्लास्ट की चपेट में आकर 10 साल की बच्ची बुरी तरह झुलस गई। स्कूल में परीक्षा चल रही थी। करीब सवा 10 बजे क्लास 4 की स्टूडेंट बाथरूम पहुंची और टॉयलेट का फ्लश दबाया वैसे ही विस्फोट हुआ। धमाका इतना जबरदस्त था कि स्टूडेंट बुरी तरह झुलस गई। झुलसी बच्ची को निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

धर्मांतरण मामले पर भड़के मुख्यमंत्री साय

- विदेशी फंड से होता है धर्मांतरण का खेल...
- सीएम साय ने दे दिया यह सख्त निर्देश
- एनजीओ वालों की अब खैर नहीं

रायपुर,21 फरवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय धर्मांतरण को रोकने के लिए सख्त नजर आ रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को राज्य में विदेशी फंड प्राप्त करने वाले एनजीओ की जांच करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि इस तरह की सहायता का उपयोग धर्मांतरण सहित अवैध गतिविधियों में तो नहीं किया जा रहा है? सीएम ने कहा कि धर्मांतरण जैसी अवैध गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वाले किसी भी संगठन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रायपुर के स्वामी विवेकानंद एटरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीच के दौरान सीएम ने कहा, कई एनजीओ स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में काम करने के लिए विदेशों से सहायता (धन) प्राप्त करते हैं। लेकिन यह देखा गया है कि इस तरह के फंड का इस्तेमाल स्वास्थ्य और शिक्षा के बजाय धर्मांतरण पर अधिक किया जाता है। मैंने अधिकारियों से कहा है कि इसकी जांच की जानी चाहिए, जिससे इस तरह के फंड का इस्तेमाल उसके वास्तविक उद्देश्य के लिए हो।

सख्त कानून लागू हैं...

उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी एनजीओ स्वास्थ्य और शिक्षा के नाम पर विदेशी फंडिंग लेकर किसी भी तरह की अवैध गतिविधि में लिप्त न हो। यदि ऐसा कोई मामला सामने आता है, तो कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए पहले से ही सख्त कानूनों को लागू कर रही है।

धर्मांतरण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं

साय ने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार सभी धर्मों का सम्मान करती है और राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। लेकिन यदि कोई भी संस्था धर्मांतरण के माध्यम से समाज में अस्थिरता फैलाने का प्रयास करती है, तो सरकार उसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। राज्य सरकार इस मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार और प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर आवश्यक कदम उठाएगी, जिससे इस तरह की गतिविधियों पर पूरी तरह से अंकुश लगाया जा सके।

लोगों को भ्रमित कर किया जा रहा है धर्मांतरण

सीएम ने कहा कि हमारा देश एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है, जहां हर व्यक्ति को अपनी इच्छा के अनुसार धर्म मानने की स्वतंत्रता है। लेकिन जब अशिक्षा, गरीबी, चंगाई या लोक-परलोक के नाम पर लोगों को बहका कर या प्रलोभन देकर जबरन धर्म परिवर्तन कराया जाता है, तो यह न केवल अनैतिक है, बल्कि संविधान की मूल भावना के भी विरुद्ध है। कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां स्वास्थ्य और शिक्षा के नाम पर विदेशी धन प्राप्त करती हैं, लेकिन इसकी आड़ में स्थानीय लोगों को भ्रमित कर, लालच देकर, चंगाई के माध्यम से धर्मांतरण कराती हैं।

तकनीकी पेटेंट के लिए छत्तीसगढ़ सरकार देगी 20 लाख तक का अनुदान

- नए नियम में स्टार्टअप के लिए क्या हैं प्रावधान

रायपुर,21 फरवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार अब राज्य में तकनीकी पेटेंट के लिए 20 लाख रुपयों तक का अनुदान देगी। राज्य सरकार ने इसके लिए नए नियम बनाए हैं। ये नियम छत्तीसगढ़ राज्य परियोजना प्रतिवेदन, अनुदान, गुणवत्ता, प्रमाणीकरण, अनुदान तकनीकी पेटेंट अनुदान तथा प्रौद्योगिकी क्रय अनुदान नियम कहलाएगा।

इन सेक्टर में मिलेगा तकनीकी पेटेंट

अनुदान नए नियम के मुताबिक,अब नवीन स्थापना,विस्तार,शवलीकरण, प्रतिस्थापन, करने वाले सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यमों की स्थापना, सामान्य श्रेणी, विनिर्माण, वृहद उद्यमों, विशिष्ट उत्पाद श्रेणी के नवीन उद्यमों एवं स्र्टाटअप इकाईयों को इसके लिए पात्रता होगी।

खास बात ये है कि भारत सरकार उद्योग मंत्रालय अन्य मंत्रालयों, पंजीकृत पेटेंट हाउस, अनुसंधान केंद्रों से पेटेंट अनुसंधान पंजीकृत कराने पर ही अनुदान की पात्रता होगी। औद्योगिक इकाई को प्रति उत्पाद, प्रक्रिया, शोध पर केवल एक ही बार अनुदान की पात्रता होगी। विकसित उत्पाद, प्रक्रिया, जिसका पेटेंट कराया गया है। उत्पाद, प्रक्रिया, जिसका पेटेंट कराया गया है या अनुसंधान स्वीकृत हुआ है, का वाणिज्यक उत्पादन उपयोग औद्योगिक इकाई द्वारा ही किया जाना आवश्यक होगा।

इन्हें भी अनुदान की पात्रता

राज्य सरकार अब गुणवत्ता प्रमाणीकरण के लिए भी अनुदान देगी। इसके लिए आईएसओ 9000, आईएसओ 14000, आईएसओ 22000, बीआईएस प्रमाणीकरण, जेड प्रमाणीकरण उर्जा दक्षता प्रमाणन, नवीन एवं नवकरणीय उर्जा के भेत्र में एलईबीपी प्रमाणीकरण, एगर्माक, यूरो मानक, एनं अन्य समान राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय प्रमाणीकरण प्राप्त करने पर भी अनुदान देगी। यह पात्रता भारत सरकार, राज्य शासन के किसी विभाग, ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंर्डड या भारत सरकार, राज्य शासन की किसी अधिकृत एजेंसी से गुणवत्ता प्रमाणपत्र प्राप्त करने पर ही अनुदान की पात्रता होगी। इसके साथ ही प्रौद्योगिकी क्रय अनुदान, परियोजना प्रतिवेदन अनुदान, गुणवत्ता प्रमाणीकरण अनुदान भी देगी।

किसी को रोजगार से वंचित किया तो अनुदान राशि की होगी वसूली

औद्योगिक इकाई द्वारा राज्य के मूल निवासियों को निर्धारित प्रतिशत में रोजगार उपलब्ध कराने के बाद, यदि बाद में विधि विरूद्ध तरीके से, रोजगार से वंचित किया जाता है एवं इस कारण अकुशल, कुशल व प्रबंधकीय वर्ग में दिए जाने वाले रोजगार का प्रतिशत निर्धारित प्रतिशत से कम हो जाता है तो अनुदान की राशि संबंधित स्वत्व को निरस्त कर वसूली की जा सकेगी, अन्य देय अनुदानों में समायोजित की जा सकेगी। यदि औद्योगिक इकाई द्वारा प्रस्तुत निवेशक से वर्ग से संबंधित प्रमाण-पत्र या तथ्य गलत पाये जाते हैं या पात्रता से अधिक अनुदान की प्राप्ति हो गयी हो, तो दी गई अतिरिक्त अनुदान की राशि वसूली योग्य होगी। उद्योग संचालनालय या जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा अनुदान से संबंधित या कोई जानकारी, अभिलेख मांगे जाने पर औद्योगिक इकाई द्वारा न दी जाये तो अनुदान की राशि संबंधित स्वत्व को निरस्त कर वसूली की जा सकेगी।

अनुदान प्राप्त औद्योगिक इकाई की होगी ये जिम्मेदारी

औद्योगिक इकाई को वाणिज्यिक उत्पादन दिनांक सेवा गतिविधि प्रारंभ करने के दिनांक से न्यूनतम पांच वर्षों तक उद्योग चालू रखते हुए, नियमानुसार राज्य के मूलनिवासियों को रोजगार उपलब्ध कराना होगा। इकाई द्वारा उपलब्ध कराये गये रोजगार की जानकारी प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात 30 दिवस के भीतर अनुदान स्वीकृतकर्ता अधिकारी को प्रदान करना होगा।

पांच साल तक नहीं कर सकते ये बदलाव

नए नियम में अनुदान प्राप्त इकाई को वाणिज्यिक उत्पादन दिनांक सेवा गतिविधि प्रारंभ करने के दिनांक से पांच वर्ष तक उद्योग आयुक्त, संचालक उद्योग की लिखित पूर्वानुमति के बिना इकाई के फैक्ट्री स्थल गतिविधि में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, इकाई का कोई भाग अन्यत्र स्थानांतरित नहीं किया जा सकेगा तथा ना ही स्वामित्व परिवर्तन किया जा सकेगा तथा इकाई के स्थायी परिसम्पतियों में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

केक काटकर सीएम विष्णुदेव साय ने मनाया जन्मदिन

रायपुर,21 फरवरी 2025(ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जन्मदिन के उपलक्ष्य में उनके निवास पर प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय , विधायकगण, वरिष्ठ नेताओं, ब्रह्मकुमारी दीदी एवं आमजनों ने मिलकर अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी। बता दें कि, सीएम साय आज अपने जन्मदिन पर गृहग्राम बगिया पहुंचे हुए हैं। यहां पहुंचकर उन्होंने अपनी मां का आशीर्वाद लिया। इसके बाद एक तस्वीर साझा कर सोशल मीडिया प्लेफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया।

पीएम मोदी और अमित शाह ने दी बधाई,सीएम साय ने जताया आभार

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज 61वाँ जन्मदिन मना रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह सहित देश के कई नेताओं ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। जिसके लिए सीएम ने पीएम मोदी और अमित शाह का आभार जताया है।

पंचायत चुनाव में हार से नाराज बदमाशों ने देर रात किया मतपेटी लूटने का प्रयास

पूर्व सरपंच समेत 40 से ज्यादा लोग गिरफ्तार

कांकेर,21 फरवरी 2025(ए)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले चरण के दौरान कांकेर जिले के पुसवाड़ा गांव में हिंसा की गंभीर घटना सामने आई है। 17 फरवरी को मतदान के बाद मतगणना के दौरान हार से नाराज सरपंच प्रत्याशी रुखमणी कोसम के समर्थकों ने मतदान दल को बंधक बनाने और मतपेटी लूटने का प्रयास किया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, चुनाव के शुरुआती रुझानों में रुखमणी कोसम आगे चल रही थीं, लेकिन अंतिम मतगणना में वह पीछे रह गईं और हार गईं। इससे उनके समर्थक आक्रोशित हो गए और मतदान दल पर हमला कर दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस टीम को भी भीड़ के हिंसक विरोध का सामना करना पड़ा। भीड़ ने पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की और उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। इस दौरान एक महिला पुलिसकर्मी को भी बेरहमी से पीटने का वीडियो वायरल हो गया, जिससे मामला और तूल पकड़ चुका है।

घटना के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए हिंसा में शामिल पूर्व सरपंच घासीराम वट्टी, रोहित नेताम समेत 40 से अधिक लोगों पर शासकीय कार्य में बाधा डालने सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी पूर्व सरपंच घासीराम वट्टी को गिरफ्तार कर लिया है।अन्य आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें सर्च अभियान चला रही हैं। हिंसा में शामिल अन्य लोगों की शिनाख्त कर गिरफ्तारी की जा रही है। सरकारी वाहनों को हुए नुकसान की भी जांच जारी है।

छत्तीसगढ़ के कैदियों को महाकुंभ के जल से करवाया जाएगा स्नान

डिप्टी सीएम विजय शर्मा प्रयागराज से ला रहे हैं गंगाजल

रायपुर,21 फरवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के सभी जेलों में कैदियों को प्रयागराज महाकुंभ के गंगा जल से स्नान कराया जाएगा। इस पवित्र जल को उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा स्वयं महाकुंभ से लेकर आएंगे। आज उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाई और इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा कीं।उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने पोस्ट में लिखा है कि पुण्यधरा प्रयागराज में महाकुंभ के पावन अवसर पर माँ गंगा, माँ यमुना और माँ सरस्वती की दिव्य धाराओं के संगम तट पर पवित्र स्नान, पूजा-अर्चना कर सर्वकल्याण की कामना की।

पंचायत चुनाव में हुआ बवाल

हारे हुए प्रत्याशी ने अपने समर्थकों के साथ मतदान दल को बनाया बंधक

बिलासपुर,21 फरवरी 2025 (ए)। बिलासपुर के सरकंडा क्षेत्र में पंचायत चुनाव में हार से आक्रोशिता एक प्रत्याशी ने विवाद करते हुए अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ मिलकर मतदान दल को ही बंधक बना लिया। साथ ही पुलिस दल पर भी पथराव किया। इस पथराव में तीन पुलिस कर्मी घायल हुए है। जिसके बाद पुलिस ने 14 नामजद सहित 100 से अधिक लोगों के खिलाफ ने मामला दर्ज किया है।जानकारी के अनुसार बिती रात सरकंडा थाना क्षेत्र के लगरा ग्राम पंचायत में दूसरे चरण के मतदान के बाद मतगणना के दौरान उस वक्त हिंसा भड़क उठी जब हार से आक्रोशित प्रत्याशी और उनके समर्थकों ने मतगणना स्थल पर हंगामा मचाते हुए पुनर्मतगणना की मांग कर दी। मामला शांत होने की बजाए हिंसक हो उठा और गुस्साए समर्थकों ने मतदान दल पर हमला कर दिया। साथ ही मतदान स्थल पर तैनात पुलिस बल पर भी पथराव कर दिया तथा वहां खड़ी गाड़ियों में तोडफ़ोड़ कर दी। इस घटना में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए, वहीं दो से तीन गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। इस घटना से पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा और हालात को काबू में किया गया। इस मामले में पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए 14 नामजद समेत 100 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

सेक्स रैकेट ब्लैकमेलिंग मामलें में अग्रिम जमानत याचिका खारिज

बलौदाबाजार,21 फरवरी 2025(ए)। बलौदाबाजार शहर में बहुचर्चित सेक्स रैकेट एवं ब्लैकमेलिंग में आरोपी हवलदार समीर शुक्ला की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी हवलदार की जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)